• जयपुर, सोमवार 2 दिसंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 104 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

चमकता राजस्थान

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 सी.एस.टी. (क्राइम ब्रांच) आयुक्तालय जयपुर द्वारा अन्तर्राज्जीय वाहन चोर गैंग के खिलाफ...

पेज @4 संसदीय कार्य मंत्री के जन्मदिवस पर महाराज राजाराम शिक्षण संस्थान...

पेज @8 आरएसआरडीसी अन्य राज्यों के कामों में भी भाग ले : उप मुख्यमंत्री,दिया कुमारी....

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

चक्रवाती तूफान फेंगल ने मचाई तबाही

अबतक तीन लोगों की मौत, खुल गया चेन्नई हवाईअड्डा

चेन्नई/एजेंसी

चक्रवात फेंगल के कारण उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश हुई, जो आज सुबह भी जारी है। फेंगल शनिवार को पुडुचेरी के समुद्री तट के करीब पहुंचा। चक्रवात के कारण हो रही बारिश की वजह से चेन्नई हवाईअड्डे को बंद करना पड़ा, शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया है। चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आज सुबह 4.00 बजे से उड़ान संचालन फिर से शुरू हो गया है। चक्रवात के कारण सेवाएं कल से निलंबित कर दी गई थीं। चेन्नई में चक्रवाती तूफान फेंगल की वजह से हुई भारी बारिश, अलग-अलग घटनाओं में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है। भारी बारिश से शहर के कई हिस्सों में बाढ़ आ

गई। हालांकि, तमिलनाडु और पुडुचेरी में किसी बड़े नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली, जहां भारतीय सेना ने केंद्र शासित प्रदेश में बाढ़ वाले इलाके से 100 से अधिक लोगों को बचाया है। आईएमडी ने कहा कि चक्रवात फेंगल ने रविवार की रात को लगभग 2 बजे भूस्खलन की प्रक्रिया पूरी की। भूस्खलन के बाद, चक्रवात फेंगल के पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढने और अगले छह घंटों के भीतर धीरे-धीरे कमजोर होकर गहरे दबाव में बदलने का अनुमान है। तमिलनाडु में अगले 48 घंटों तक भारी बारिश होने की संभावना है।चेन्नई हवाई अड्डे ने रविवार सुबह 4 बजे तक अपने सभी परिचालन निलंबित कर दिए थे। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के कई हिस्सों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इस क्षेत्र में हाई टाइड और भारी वर्षा का अनुमान लगाया गया है।

न्यूज अपडेट

दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेगी आप, किसी से नहीं होगा गठबंधनः केजरीवाल

नईदिल्ली/एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान कर दिया है।उन्होंने कहा कि दिल्ली का विधानसभा चुनाव आप अकेले लड़ेगी और किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी।हरियाणा और महाराष्ट्र में के बाद केजरीवाल के इस ऐलान को विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए एक और झटका माना जा रहा है। हरियाणा में भी ऐन वक्त पर आप-कांग्रेस का गठबंधन नहीं हुआ था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी आप और कांग्रेस का गठबंधन नहीं हो सका था। तब राहुल गांधी ने खुद गठबंधन की पहल की थी और दोनों पार्टियों के बीच कई दौर की वार्ता भी हुई थी, लेकिन अंत में सहमति नहीं बन सकी।इसके बाद दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था।तब कहा गया था कि आप 10 सीटों पर चुनाव लडना चाहती थी, लेकिन कांग्रेस केवल 3 सीटें देने पर राजी थी।

तेलंगाना में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 7 नक्सली ढेर, कई हथियार बरामद

हैदराबाद/एजेंसी। नक्सलियों के खिलाफ अभियान में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया है।मृतकों में महिला नक्सली समेत शीर्ष कमांडर भी शामिल है। जवानों ने मुठभेड़ स्थल से एके-47 समेत कई हथियार भी बरामद किए हैं।आज सुबह से ही दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही थी, जिसमें सुरक्षाबलों को सफलता मिली है। इलाके में फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। तेलंगाना के मुलुगु जिले के ईटूनगरम थाना क्षेत्र के चलपाका के जंगलों में ये मुठभेड़ हुई है।तेलंगाना पुलिस ने बताया कि ग्रेहाउंड के जवानों और माओवादियों के बीच उस समय मुठभेड़ हुई, जब जवान तलाशी अभियान के लिए निकले हुए थे।पुलिस ने कहा कि मौके से 2 एके-47 और एक इंसास राइफल समेत भारी मात्रा में दूसरे हथियार और विस्फोटक भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान तेलंगाना स्टेट समिति सदस्य कुरसम मंगू उर्फ पपन्ना या भद्रू, डिविजनल समिति सदस्य इगोलपू मल्लैया ऊर्फ मधु, एरिया समिति सदस्य मुचाकी देवल और मुचाकी जमुना और पार्टी के 3 सदस्य जयसिंह, किशोर और कामेश के रूप में हुई है।पुलिस ने बताया कि एक घंटे से भी अधिक समय तक चली इस मुठभेड़ में चर्चित नक्सलवादी भद्रू की टुकड़ी के 7 सदस्य मारे गए हैं।

इतिहास की किताबों में चंद नायकों का एकाधिकार खत्म करने का समय आ गया है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली/एजेंसी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को देश के नायकों के बारे में सही जानकारी देने और इतिहास में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास की किताबों में कुछ लोगों को ही प्रमुख दिखाया गया है, जबकि देश की स्वतंत्रता में कई लोगों का योगदान था। अब समय आ गया है कि इस गलतफहमी को दूर किया जाए।

उपराष्ट्रपति ने यहां भारत मंडपम में राजा महेंद्र प्रताप की 138वीं जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है, जिसके कारण कुछ लोगों के बारे में यह दिखाया गया है कि उन्होंने ही हमें आजादी दिलाई।

उन्होंने कहा, यह हमारी अंतरात्मा में गहरी पीड़ा है। यह हमारी दिल और आत्मा पर एक बोझ बन चुका है। मुझे यकीन है कि हमें इसमें बड़ा बदलाव लाना होगा। साल 1915 में पहली भारत सरकार के गठन से बेहतर कोई क्षण नहीं था। राजा महेंद्र प्रताप को उन्होंने एक नैसर्गिक राजनयिक, कुशल नेता, दूरदर्शी और राष्ट्रवादी बताया।

उन्होंने कहा कि राजा महेंद्र प्रताप ने अपने कार्यों से राष्ट्रवाद, देशभक्ति और दूरदर्शिता का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया।

देश के कुछ योग्य लोगों को उचित सम्मान और भारत रत्न देने में हुई देरी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, बी.आर. अम्बेडकर को 1990 में भारत रत्न मिला। क्यों? यह देरी क्यों हुई? इस मानसिकता को समझें... और हाल ही में, चौधरी चरण सिंह और कर्पूरी ठाकुर को भी सम्मान मिला। वे हमारे दिलों में हमेशा रहेंगे। उन्होंने कहा, हमने लंबे समय तक उन लोगों को नजरअंदाज किया, जो हमारे मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने सचमुच देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। अब आदिवासी दिवस मनाया जाने लगा है। बिरसा मुंडा की उम्र कितनी थी? खैर, कभी नहीं से देर भली। कुछ महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिए जाने पर सवाल उठाते हुए धनखड़ ने कहा, कोटरा यात्रा के दौरान, उदयपुर में हाल ही में बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई गई। मैंने अपने दोस्तों से 1913 के मंगर हिल के दिल दहला देने वाले कायरतापूर्ण घटनाक्रम के बारे में बात की।

देश के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वालों की उपेक्षा हुई : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली/एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का कहना है कि हमारे इतिहास की किताबों ने हमारे नायकों के साथ अन्याय किया है। हमारे इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया है, कुछ लोगों का एकाधिकार कायम कर दिया गया कि उन्हीं के कारण हमें स्वतंत्रता मिली। यह हमारी अंतरात्मा पर एक असहनीय पीड़ा है। यह हमारे दिल और आत्मा पर एक बोझ है। मुझे यकीन है कि हमें इसमें बड़ा बदलाव लाना होगा। रविवार को दिल्ली के भारत मंडपम में राजा महेंद्र प्रताप की 138वीं जयंती के अवसर पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने यह बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि राजा महेंद्र प्रताप एक जन्मजात कूटनीतिज्ञ, एक जन्मजात राजनेता, एक दूरदर्शी और एक राष्ट्रवादी थे। राजा महेंद्र प्रताप ने राष्ट्रीयता, देशभक्ति और दूरदर्शिता का उदाहरण प्रस्तुत किया, उन्होंने अपने आचरण के माध्यम से दिखाया कि राष्ट्र के लिए क्या किया जा सकता है। यह क्या अन्याय है, यह क्या त्रासदी है। हम अपनी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में हैं। हम इस महान आदमी की वीरता को पहचानने में असफल रहे हैं। हमारे इतिहास ने उन्हें वह स्थान नहीं दिया, जो उन्हें मिलना चाहिए था। यदि आप हमारे स्वतंत्रता संग्राम की नींव को देखें, तो हमें बहुत अलग तरीके से सिखाया गया है। हमारी स्वतंत्रता की नींव ऐसे लोगों की सर्वोत्तम बलिदानों पर बनी है, जैसे राजा महेंद्र प्रताप सिंह और अन्य गुमनाम नायक या जिन्हें इतना सम्मान नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि 1932 में इस महान दूरदर्शी को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। हम अपने नायकों को छोटा नहीं कर सकते।

कोलकाता के बाद त्रिपुरा के अस्पताल ने भी बांग्लादेशी मरीजों के लिए बंद की सेवाएं

अगरतला/एजेंसी। बांग्लादेश में भीड़ द्वारा भारत के राष्ट्रीय ध्वज को जलाने की कथित घटना के विरोध में कोलकाता के बाद अब त्रिपुरा के आईएलएस अस्पताल ने भी बांग्लादेशी मरीजों का उपचार न करने का फैसला किया है।शनिवार को कोलकाता के जेएन रे अस्पताल ने घटना के विरोध में बांग्लादेशी मरीजों का उपचार न करने का निर्णय किया था।अस्पताल के निदेशक सुभ्रांशु भक्त ने कहा था कि देश सबसे ऊपर है। देश से ऊपर कुछ भी नहीं हो सकता है।

अगरतला स्थित आईएलएस अस्पताल के एक अधिकारी ने बांग्लादेशी लोगों द्वारा कथित दुर्व्यवहार का हवाला देते हुए अस्पताल में बांग्लादेशी मरीजों का उपचार न किए जाने के निर्णय के प्रति समर्थन व्यक्त किया है।अस्पताल के मुख्य परिचालन अधिकारी गौतम हजारिका ने अखौरा चेक पोस्ट और आईएलएस अस्पताल में सहायता केंद्र बंद होने की पुष्टि की है।उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के चलते यह कदम उठाया है।

अस्पतालों का यह निर्णय बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय यात्री बस से हुई दुर्घटना के बाद बढ़ते तनाव के बीच आया है।त्रिपुरा सरकार ने आरोप लगाया कि बस पर हमला तब किया गया जब उसकी टक्कर एक मालवाहक ट्रक से हो गई।त्रिपुरा के परिवहन एवं पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा कि भारतीय यात्रियों को धमकाया गया और भारत विरोधी नारे लगाये गए। वहां की राजनीतिक अशांति ने भारत में चिकित्सा पर्यटन को प्रभावित किया है।

संबंधित घटनाक्रम में बांग्लादेश में चल रहे तनाव के बीच 2 हिंदू पुजारियों को गिरफ्तार किया गया।इस्कॉन-कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि उन्हें हिरासत में लिए गए हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास से मिलने के बाद लौटते समय गिरफ्तार किया गया।इस बीच, दास की गिरफ्तारी से संबंधित चटगांव में हिंसा के दौरान वकील सैफुल इस्लाम की हत्या के सिलसिले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पीएम मोदी समेत तमाम नेताओं ने सीमा सुरक्षा बल स्थापना दिवस की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली/एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अपना 60वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर बीएसएफ कर्मियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सीमा सुरक्षा बल को उसके स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। बीएसएफ साहस, समर्पण और असाधारण सेवा का प्रतीक और रक्षा की एक महत्वपूर्ण पंक्ति के रूप में खड़ा है। उनकी सतर्कता और साहस हमारे राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान करते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जवानों को बधाई देते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा, बीएसएफ के जवानों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की बधाई। बीएसएफ के सैनिकों ने भारत के सम्मान और महत्वाकांक्षाओं की पूरी मजबूती के साथ रक्षा की है और इसके लिए जान की बाजी लगाने से कभी पीछे नहीं हटे। उनकी वीरता और बलिदान प्रेरणा का अटूट स्रोत हैं, जिसने देशभक्तों की पीढियों को यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया है कि हमारा राष्ट्र हमेशा आगे बढ़ता रहे। सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को मेरी श्रद्धांजलि।

बीएसएफ ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 60वें सीमा सुरक्षा बल दिवस के अवसर पर हम सीमा प्रहरी राष्ट्र रक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दुहराते हैं। अपने ध्येय वाक्य जीवनपर्यन्तकर्त्तव्य को आत्मसात करते हुए हर सीमा प्रहरी अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण समर्पण से कटिबद्ध है।

बीजेपी ने कर दी बड़ी घोषणा

5 दिसंबर को महाराष्ट्र के नए सीएम लेंगे शपथ

मुंबई/एजेंसी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक एक सवाल आज भी बरकरार है कि आखिर प्रदेश का अगला सीएम कौन बनेगा? इस बीच भाजपा ने नया दांव खेला है. भाजपा ने एक्स पर ट्वीट कहा है कि 5 दिसंबर को महाराष्ट्र में नई सरकार गठित की जाएगी. यह शपथ ग्रहण समारोह आजाद मैदान में होगा.

इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे. सूत्रों की मानें तो महाराष्ट्र में नई सरकार की गठन से पहले शिवसेना ने शर्त रख दी है. शिंदे ने महायुति की सरकार में 9 विभागों की डिमांड की है. इन विभागों में गृहविभाग, डिप्टी सीएम, शहरी विभाग, उद्योग विभाग समेत 9 विभागों की डिमांड की है.

फिलहाल, दिल्ली में बैठक के बाद शिंदे अपने पैतृक गांव सितारा चले गए हैं. सूत्रों की मानें तो किसी भी बड़े फैसले को करने से पहले शिंदे अपने पैतृक गांव जाना है. इस बीच

भाजपा ने आज होने वाली अपनी विधायक दल की बैठक को भी स्थगित कर दिया है. यह बैठक अब 3 दिसंबर को होगी. महायुति ने भारी बहुमत से महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव तो जीत लिया, लेकिन इसके बाद भी अब तक प्रदेश में नई मुख्यमंत्री की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है.

बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे आगे चल रहा है. फडणवीस की बात करें तो यह संघ के काफी करीबी माने जाते हैं और संघ के साथ-साथ अमित शाह के भी खास माने जाते हैं. जब लोकसभा चुनाव के दौरान महायुति का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा था तो इस हार की जिम्मेदारी फडणवीस ने ली थी. इसके साथ ही अपने इस्तीफे की पेशकश भी कर दी थी. बावजूद इसके अमित शाह ने उन्हें पद पर बने रहने को कहा था.

वहीं, अब महाराष्ट्र में 132 सीट जीतकर बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है. यह तो तय माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री बीजेपी से ही होगा, लेकिन कहीं अपने सरप्राइज सीएम पैटर्न को फॉलो करते हुए बीजेपी किसी नए चेहरे को महाराष्ट्र के सीएम पद की जिम्मेदारी ना दे दें. कई राज्यों में ऐसा देखा जा चुका है कि जब-जब बीजेपी ने सीएम नाम की घोषणा करने में देरी की है, तब-तब किसी नए चेहरे को मौका दिया गया है.

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है।

भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है। भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहां से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है। आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल-पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान् कर्मयोद्धा कर रहा है।

दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है। वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है।

सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्राय: लुप्त होता जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है।

भारतीय संस्कृति का प्रतीक है महाकुंभ मेला

डॉ. सौरभ मालवीय

महाकुंभ मेला भारत की गौरवशाली संस्कृति का प्रतीक है। यह देश की सांस्कृतिक धरोहर है। यह मेला हमारी गौरवमयी संस्कृति का संवाहक है। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति एवं आस्था को दर्शाता है। यह कला-संस्कृति, गायन, नृत्य, हस्तकला को प्रोत्साहित करता है। इस मेले में संपूर्ण भारत की झलक मिलती है। इसमें प्राचीन भारत के साथ-साथ आधुनिक भारत का भी बोध होता है। मेले में सम्मिलित होने से आत्मा के अजर अमर होने की भारतीय मान्यता पर विश्वास अत्यधिक दृढ़ हो जाता है। यह मेला भारतीय दर्शन का प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा स्नान के साथ कुंभ मेले का शुभारंभ होगा तथा 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ इसका समापन होगा। शाही स्नान 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर, 3 फरवरी को बसंत पंचमी पर, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा पर तथा 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर होगा।

सांस्कृतिक व धार्मिक महत्व

प्रयागराज हिंदुओं का अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। यहां गंगा, यमुना एवं सरस्वती का अद्भुत संगम होता है जिसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। यहां कुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ मेले के अवसर पर करोड़ों श्रद्धालु प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन एवं नासिक में स्नान करके पुण्य अर्जित करते हैं। इनमें से प्रत्येक स्थान पर प्रति बारहवें वर्ष तथा प्रयाग में दो कुंभ पर्वों के मध्य छह वर्ष के अंतराल में अर्धकुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ का शाब्दिक अर्थ घड़ा एवं मेले का अर्थ एक स्थान पर एकत्रित होना है। कुंभ मेला अमृत उत्सव के नाम से भी प्रसिद्ध है।

खगोल गणनाओं के अनुसार कुंभ मेला मकर संक्रांति के दिन प्रारंभ होता है। उस समय सूर्य एवं चंद्रमा, वृश्चिक राशि में तथा वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिवस को अति शुभ एवं मंगलकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुल जाते हैं। इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान विष्णु अमृत से भरा हुआ कुंभ लेकर जा रहे थे तभी असुरों ने उन पर आक्रमण कर दिया। अमृत प्राप्ति के लिए देव एवं दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध होता रहा। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के समान होते हैं। इसलिए कुंभ भी बारह होते हैं। इनमें से चार कुंभ पृथ्वी पर होते हैं तथा शेष आठ कुंभ देवलोक में होते हैं। देव एवं दानवों के इस संघर्ष के दौरान भूमि पर अमृत की चार बूंदें गिर गईं। ये बूंदें प्रयाग, हरिद्वार, नासिक एवं उज्जैन में गिरीं। जहां-जहां अमृत की बूंदें गिरीं वहां पर तीर्थ स्थल का निर्माण किया गया। तीर्थ उस स्थान को कहा जाता है जहां मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस प्रकार जहां अमृत की बूंदें गिरीं, उन स्थानों पर तीन-तीन वर्ष के अंतराल पर बारी-बारी से कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। इन तीर्थों में प्रयाग को तीर्थराज के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यहां तीन पवित्र नदियों गंगा, यमुना एवं सरस्वती का संगम होता है। इन नदियों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

भारत में महाकुंभ धार्मिक स्तर पर अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण आयोजन है। इसमें लाखों-करोड़ों श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। इस बार

के महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ तीर्थयात्रियों के सम्मिलित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। लगभग डेढ़ मास तक संचालित होने वाले इस आयोजन में तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए व्यवस्था की जाती है। उनके लिए टेंट लगाए जाते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि एक छोटी सी नगरी अलग से बसा दी गई है। यहां तीर्थयात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है। यह आयोजन प्रशासन, स्थानीय प्राधिकरणों एवं पुलिस की सहायता से आयोजित किया जाता है। इस मेले में दूर-दूर से साधु-संत आते हैं। कुंभ योग की गणना कर स्नान का शुभ मुहूर्त निकाला जाता है। स्नान से पूर्व मुहूर्त में नागा साधु स्नान करते हैं। इन साधुओं के शरीर पर भभूत लिपटी रहती है। उनके बाल लंबे होते हैं तथा वे वस्त्रों के स्थान पर शरीर पर मृगचर्म धारण करते हैं। स्नान के लिए विभिन्न नागा साधुओं के अखाड़े भव्य रूप से शोभा यात्रा की भांति संगम तट पर पहुंचते हैं। ये साधु मेले का आकर्षण का केंद्र होते हैं।

उत्तर प्रदेश धर्म, संस्कृति एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। महाकुंभ मेले के कारण यहां विश्वभर से तीर्थयात्रियों के साथ-साथ पर्यटक भी आएंगे। इसलिए प्रयागराज के ऐतिहासिक मंदिरों का जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण किया जा रहा है। पर्यटन विभाग, स्मार्ट सिटी एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण मिलकर यह कार्य कर रहे हैं। मेला प्रशासन श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आस्था एवं सुविधा को प्राथमिकता दे रहा है, जिससे उन्हें स्मरणीय अनुभव प्राप्त हो सके तथा वे यहां से प्रसन्नतापूर्वक वापस जाएं। पर्यटन विभाग जिन कॉरिडोर एवं नवीनीकरण परियोजनाओं की देखरेख कर रहा है, उनमें से मुख्य रूप से भारद्वाज कॉरिडोर, मनकामेश्वर मंदिर कॉरिडोर, द्वादश माधव मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर, अलोप शंकरी मंदिर आदि सम्मिलित हैं। स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर एवं पातालपुरी कॉरिडोर सम्मिलित हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण नागवासुकी मंदिर का नवीनीकरण कार्य एवं हनुमान मंदिर कॉरिडोर का कार्य करवा रहा है।

पौधरोपण

महाकुंभ मेले के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश को हरभरा बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य में हरित क्षेत्र के विस्तार के लिए संपूर्ण राज्य में 2.71 लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। इसके लिए वन विभाग, नगर निगम एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण मिलकर कार्य कर रहे हैं तथा संयुक्त रूप से राज्यभर में अभियान चला रहे हैं। वन विभाग द्वारा 29 करोड़ रुपये की लागत से 1.49 लाख पौधे लगाए जाएंगे। वन विभाग संपूर्ण जिले में सड़कों के किनारे पौधे लगाएगा। नगर में आने वाली मुख्य सड़कों पर सघन पौधारोपण किया जा रहा है। सड़कों के किनारे नीम, पीपल, कदंब एवं अमलतास आदि के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत सरस्वती हाईटेक सिटी में 20 हेक्टेयर में 87 हजार पौधे लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त वन विभाग नगर के कुछ क्षेत्रों में पौधे लगाएगा। नगर में हरित पट्टी बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्राकृतिक उत्पादों को प्रोत्साहन

भारतीय जीवन शैली सदैव से प्रकृति के लिए सुखद रही है। देश के अनेक राज्यों विशेषकर दक्षिण भारत में आज भी केले के पत्तों पर भोजन परोसा जाता है। धार्मिक आयोजनों में होने वाले सामूहिक भोज में भी पत्तलों पर भोजन परोसा जाता है। महाकुंभ मेले में प्राकृतिक उत्पाद जैसे दोना, पत्तल, कुल्हड़ एवं जूट व कपड़े के थैलों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसमें पॉलीथिन एवं सिंगल यूज्ड प्लास्टिक पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। पॉलीथिन एवं प्लास्टिक पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बना हुआ है।

स्वच्छता पर बल

हमारे देश में आत्मा की शुद्धि के साथ-साथ शारारिक स्वच्छता पर भी विशेष बल दिया जाता है। महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की बड़ी संख्या में आने के दृष्टिगत क्षेत्र में लगभग डेढ़ लाख शौचालय एवं मूत्रालय स्थापित किए जा रहे हैं। इनको स्वच्छ बनाए रखने के लिए भी व्यापक तैयारी की गई है। इसमें तकनीकी का भी प्रयोग किया जा रहा है। इन सभी की निगरानी का दायित्व गंगा सेवा दूतों को सौंपा गया है। वे प्रातः एवं सायं इनकी जांच करेंगे। क्यूआर कोड से स्वच्छता की मॉनिटरिंग की जा रही है। यह ऐप बेस्ड फीडबैक देगा, जिसके माध्यम से शीघ्र से शीघ्र सफाई सुनिश्चित की जाएगी। इस बार मैनुअल शौचालय स्वच्छ करने की आवश्यकता नहीं होगी, अपितु जेट स्प्रे क्लीनिंग सिस्टम से कुछ क्षणों में पूरी तरह उन्हें स्वच्छ कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त सेसपूल ऑपरेशन प्लान भी तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से मेला क्षेत्र में स्थापित शौचालयों के सेप्टिक टैंक को रिक्त किया जाएगा। सेप्टिक टैंक रिक्त करके यहां से वेस्ट को एसटीपी प्लांट या अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा।

यातायात सुविधा

प्रदेश में आने वाले श्रद्धालुओं की प्रत्येक सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है। इसलिए यातावात की भी समुचित व्यवस्था की जा रही है। प्रयागराज आने वाली बसों, रेलगाड़ियों एवं वायुयान की संख्या में वृद्धि की जा रही है। महाकुंभ के लिए रेलवे द्वारा लगभग 1200 रेलगाड़ियां तथा परिवहन विभाग द्वारा सात हजार बसों का संचालन किया जाएगा।

तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए योगी सरकार ने केंद्र की मोदी सरकार ने महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में प्रवेश करने पर सात टोल प्लाजा को टैक्स फ्री करने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकृत कर लिया गया है। महाकुंभ के दौरान 45 दिनों तक चित्रकूट मार्ग पर उमापुर टोल प्लाजा, रीवा राजमार्ग पर गन्ने टोल प्लाजा, मिर्जापुर मार्ग पर मुंगारी टोल प्लाजा, वाराणसी मार्ग पर हंडिया टोल प्लाजा, लखनऊ राजमार्ग पर अंधियारी टोल प्लाजा, अयोध्या राजमार्ग पर मऊआइमा टोल प्लाजा निःशुल्क रहेगा। यहां से प्रवेश करने वाले यात्रियों से कोई भी टोल नहीं लिया जाएगा। यह सुविधा 13 जनवरी से 26 फरवरी तक रहेगी। यद्यपि यह सुविधा माल वाहक व्यवसायिक वाहनों को नहीं मिलेगी। इस समयावधि में सरिया, सीमेंट, बालू एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सामान से भरे वाहनों से टोल लिया जाएगा। किंतु व्यवसायिक पंजीकृत जीप एवं कार आदि से भी टोल नहीं लिया जाएगा।

(लेखक, लखनऊ विवि में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।)

भारत की पहली लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल

डॉ सत्यवान सौरभ

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 12 नवंबर 2024 को अपनी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। पहली उड़ान ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से हुई। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट, बेंगलुरु द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ विकसित, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल आधुनिक सैन्य शस्त्रागार में अत्यंत महत्वपूर्ण है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को मोबाइल ग्राउंड-आधारित सिस्टम और फ्रंटलाइन जहाजों दोनों से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल का उपयोग करता है, जो इसके परिचालन लचीलेपन को और बढ़ाता है। इसे मोबाइल ग्राउंड-आधारित सिस्टम और फ्रंटलाइन जहाजों दोनों से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मिसाइल की बहुमुखी प्रतिभा और सटीकता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न गति और ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए जटिल युद्धाभ्यास करने में भी सक्षम है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल अत्याधुनिक एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से लैस है जो इसे और विश्वसनीयता बनाता है। ये मिसाइलें आमतौर पर सबसोनिक होती हैं और इलाके से सटे उड़ान पथों का अनुसरण कर सकती हैं, जिससे उनका पता लगाना और उसे रोकना मुश्किल हो जाता है, इस प्रकार दुश्मन की सुरक्षा भेदने में इससे

रणनीतिक लाभ मिलता है। इसे बेंगलुरु में डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान द्वारा विकसित किया गया है, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के बीच सहयोग का परिणाम है। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने पहले एलआरएलएसीएम को एक मिशन मोड प्रोजेक्ट के रूप में मंजूरी दी थी, जिसे स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) प्रक्रिया के तहत मंजूरी दी गई थी। मिसाइल के सफल परीक्षण को भारत की रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर माना जाता है, विशेष रूप से लंबी दूरी के सटीक हमलों के क्षेत्र में।

लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल के अन्य उदाहरणों में यूएस टॉमहॉक और रूस की कैलिबर शामिल हैं, दोनों ही सटीक, लंबी दूरी के हमलों में अपने उपयोग के लिए जाने जाते हैं। बेंगलुरु में डीआरडीओ के एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (अऊए) द्वारा विकसित, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी परियोजना है। कुछ सेंसर और एक्सेलेरोमीटर को छोड़कर मिसाइल के सभी घटक स्थानीय रूप से सोर्स किए गए हैं। हैदराबाद में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (इऊछ) और बेंगलुरु में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (इएछ) ने मिसाइल के एकीकरण और तैनाती में योगदान देते हुए विकास-सह-उत्पादन भागीदारों के रूप में सहयोग किया है। जमीन-आधारित और नौसैनिक तैनाती दोनों के लिए डिज़ाइन की गई, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को यूनिवर्सल वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल (वश्छट) का उपयोग करके मोबाइल ग्राउंड प्लेटफ़ॉर्म और जहाजों से लॉन्च किया जा सकता है, यह एक सिस्टम है जिसे ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा पेटेंट किया गया है और यह पहले से ही 30 भारतीय नौसेना के जहाजों पर चालू है।

यह मिसाइल रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा स्वीकृत मिशन मोड प्रोजेक्ट है जो स्वीकृति की आवश्यकता (अङ्णठ) के तहत है, जो इसके रणनीतिक महत्त्व पर ज़ोर देता है। 1, 000 किलोमीटर से अधिक की योजनाबद्ध सीमा के साथ, यह मिसाइल भारतीय सशस्त्र बलों, विशेष रूप से नौसेना को अपनी समुद्री-स्किमिंग क्षमताओं के साथ महत्त्वपूर्ण ताकत देगी। मिसाइल के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लगभग 20 अतिरिक्त परीक्षण उड़ानों की योजना बनाई गई है, जिसमें स्वदेशी रेडियो-फ्रीक्वेंसी सीकर के माध्यम से टर्मिनल होमिंग भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, डीआरडीओ द्वारा मिसाइल के परीक्षण पूरे होने के बाद, भारतीय नौसेना लगभग 5, 000 करोड़ रुपये की क़ीमत की लगभग 200 लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का ऑर्डर दे सकती है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा अनुमोदित, एओएन द्वारा स्वीकृत मिशन मोड परियोजना है, जिसके सेवा में प्रवेश के लिए एक निर्धारित समय-सीमा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पाकिस्तान में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

आरके सिन्हा

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं। वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करता। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन, ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं।

पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में बम धमाके आम बात हो चुके हैं। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था। पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के ख़िलाफ़ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है।

तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आमतौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और

राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं।

बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने कि एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है , जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें "दूसरे" के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त, 1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे। मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे।

जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं। आगे क्या होगा किसी को पता नहीं।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संक्षिप्त समाचार

जयपुर ग्रामीण के लाड़ले एवं जनसेवक सांसद राव राजेंद्र सिंह का हुआ जोरदार अभिनंदन

- **श्रेत्र के चहुंमुखी विकास का ही मेरा एकमात्र संकल्प : सांसद राव राजेंद्र सिंह**

चमकता राजस्थान। शाहपुरा (खलील कुरैशी)। शहर के गंगा मार्केट स्थित शिव बगीची में रविवार को शिव परिवार की ओर से जयपुर ग्रामीण के सांसद राव राजेंद्र सिंह का अभिनंदन किया गया। शिव बगीची परिवार के अध्यक्ष मुकेश माटोलिया व शाहपुरा युवा विकास समिति के अध्यक्ष राजेश मंडोवरा ने बताया कि जयपुर ग्रामीण के सांसद राव राजेंद्र सिंह व शाहपुर नगर परिषद के सभापति बंशीधर सैनी शिव बगीची में पहुंचे जहां पर उनका साफा ,माला व शिव परिवार का चित्र भेंटकर अभिनंदन किया गया इस दौरान सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करवाया जाएगा इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने सांसद का हदय की गहराइयों से अभिनंदन किया इस दौरान समाजसेवी मनोहरपुर नगरपालिका अध्यक्ष सुनिता प्रजापत,मोहनलाल खूटेटा,सैनी समाज के अध्यक्ष मन्नालाल सैनी,पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा,गोवर्धन लाल मेहरा, हरि सैनी, मोहनलाल मेहरा,अर्जुन लाल जाट, पुरुषोत्तम शर्मा, मोइनुद्दीन लोहार, राजेश पलसानिया सहित वार्ड वासी मौजूद थे।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी से तोमर ने की आत्मीय मुलाकात

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मुलाकात की। आधे घंटे तक हुई दोनों विधानसभा अध्यक्षों की मुलाकात के दौरान दोनों राज्य की विधानसभाओं की संसदीय परंपराओं पर विस्तार से चर्चा हुई। देवनानी ने तोमर को बताया कि राजस्थान विधानसभा में विधानसभा जनदर्शन, संविधान दीर्घा, विधानसभा के सत्र के आरंभ से पहले सर्व दलीय बैठक का आयोजन और विधानसभा की डायरी का प्रकाशन भारतीय वर्ष के अनुसार एवं विधानसभा के वार्षिक कैलेंडर में महापुरुषों के चित्रों का समावेश सहित अनेक नवाचार किए गए हैं। देवनानी से तोमर ने कहा कि राजस्थान विधानसभा के लिए नवाचार अन्य विधानसभाओं के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायक है।

राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिया चौथा संकल्प

- **'राइजिंग राजस्थान' में विद्यार्थियों को मिलेगा ग्लोबल एक्सपोजर - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 01 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने रविवार को चौथा संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में प्रदेश के 350 विद्यार्थी स्वयंसेवकों को ग्लोबल एक्सपोजर प्रदान कर सशक्त बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट का उद्देश्य है कि राजस्थान की युवाशक्ति के कौशल, कार्यकुशलता को दिशा प्रदान कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास की यात्रा में उनका भी योगदान सुनिश्चित किया जाए।

हड़ताल पर गए सफाई कर्मचारियों को जारी हुआ नोटिस

- **हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा बोले- आज काम पर नहीं लौटे तो करेंगे निष्कासित**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। राजस्थान में 23 हजार 820 पदों पर होने जा रही सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 6 दिनों से भर्ती नियमों में संशोधन की मांग को लेकर जयपुर के सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं। वहीं, अब नगर निगम हेरिटेज द्वारा हड़ताल पर गए कर्मचारियों को नोटिस जारी कर निष्कासित करने की तैयारी की जा रही है। नगर निगम हेरिटेज कमिश्नर अरुण कुमार हसीजा ने बताया- धारा 86 के तहत सफाई कर्मचारियों को सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया है। इसमें बिना अवकाश स्वीकृत करवाएं छुट्टी लेने पर नौकरी से निकाले जाने का प्रावधान है। ऐसे में अगर अगले 24 घंटे में सफाई कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे। बिना स्वीकृति अवकाश पर गए प्रत्येक कर्मचारी को धारा 86 के तहत एक और नोटिस जारी होगा। अगर वह नोटिस नहीं लेंगे तो उनके घर नोटिस चस्पा किए जाएंगे। इसके बाद सेवा से निष्कासन की कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। अस्थाई कर्मचारी कर रहे सफाई जयपुर में पिछले 6 दिनों से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बाद अब अंदरूनी कॉलोनी और गलियों में गंदगी दिखने लगी है। नगर निगम द्वारा राइजिंग राजस्थान के चलते शहर के प्रमुख इलाकों में अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त कर सफाई करवाई जा रही है। सीवरेज और नालों की सफाई जैसे काम फिलहाल पूरी तरह बंद है।

सी.एस.टी. (क्राइम ब्रांच) आयुक्तालय जयपुर द्वारा अन्तर्राज्जीय वाहन चोर गैंग के खिलाफ थाना शिवदासपुरा जयपुर में कार्यवाही

थाना शिवदासपुरा में आदतन शातिर वाहन चोर इमरान खान एवं सद्दामुद्दीन को किया गिरफ्तार

चोरी की 02 चौपहिया लग्जरी वाहन एवं 01 वारदात में प्रयुक्त चौपहिया वाहन बरामद

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ के मार्गदर्शन में जयपुर शहर में वाहन चोरी, नकबजनी एवं अन्य चोरी की बढती वारदातों को मध्यनजर रखते हुए अति. पुलिस आयुक्त (प्रथम) कुंवर राष्ट्रदीप के निदेशन में क्राइम ब्रांच की सीएसटी को आसूचना संकलित कर वाहन चोरों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु सुशील कुमार बिश्नोई, पुलिस उपायुक्त (अपराध) आयुक्तालय जयपुर एवं रिछपाल सिंह,अति.पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध, आयुक्तालय जयपुर के निकट सुपरविजन एवं सी.एस.टी. आयुक्तालय जयपुर की टीम के भवानी सिंह, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व टीम द्वारा वाहन चोरों के विरूद्ध आसूचना संकलन कर प्राप्त सूचनाओं पर थाना शिवदासपुरा जयपुर (दक्षिण) के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुये शातिर अन्तर्राज्जीय वाहन चोर (1). इमरान खान पुत्र निजामुद्दीन खान (2). सद्दामुद्दीन पुत्र सलामुद्दीन को गिरफ्तार कर आरोपित के कब्जें से चोरी के 02 चौपहिया लग्जरी वाहन एवं 01 वारदात में प्रयुक्त चौपहिया वाहनों को बरामद करने में सफलता

अर्जित की गयी। उक्त कार्यवाही के संबंध में पुलिस थाना शिवदासपुरा जयपुर (दक्षिण) में प्रकरण संख्या 952/2024 धारा 303(2),

345 (3) बीएनएस में दर्ज किया गया। उक्त कार्यवाही में सीएसटी से हैड कानि. हरिनारायण एवं कानि. चालक रामकृष्ण ढाका की

अहम भूमिका रही व पुलिस थाना सदर जिला बूंदी से कानि. रणजीत घटाला का गिरफ्तार करवाने में अहम सहयोग रहा।

आरोपितों से पूछताछ में निम्न तथ्यों का खुलासा हुआ है :-

गिरफ्तार आरोपित इमरान खान पुत्र निजामुद्दीन खान एवं सद्दामुद्दीन पुत्र सलामुद्दीन मूलतः इलाका थाना सिटी कोतवाली जिला बूंदी के निवासी है, जो वाहन चोरी करने के आदतन अपराधी है।आरोपितगणों ने पूछताछ में बताया कि लग्जरी चौपहिया वाहनों की रैकी करते है, तत्पश्चात चोरी के वाहनों के चैचिंस नम्बर व इंजन नम्बरों को बदलकर बेचान कर देते है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त 01 चौपहिया वाहन को जब्त किया गया। आरोपित उक्त चौपहिया वाहन इलाका थाना मानसरोवर एवं शिवदासपुरा जयपुर से चोरी करना बताया। आरोपितों की सक्रिय गैंग है। उक्त आरोपित वर्ष 2023 में वाहन चोरी की वारदात में थाना मुहाना में पकड़े गये थे। आरोपितगणों विरुद्ध वाहन चोरी एवं अन्य प्रकरणों के लगभग 02 दर्जन प्रकरण दर्ज है।आरोपित से थाना शिवदासपुरा जयपुर (दक्षिण) में पूछताछ एवं अनुसंधान जारी है, जिससे वारदात में प्रयुक्त वांछित वाहन चोरों एवं अन्य वारदातों का खुलासा होने की सम्भावना है।

गिरफ्तार आरोपितों का नाम पता :-

(1). इमरान खान पुत्र निजामुद्दीन खान जाति मुसलमान (पठान) उम्र 44 वर्ष निवासी निवासी न्यू कॉलोनी कोटा रोड सिटी कोतवाली के सामने कोटा रोड पुलिस थाना सिटी कोतवाली जिला बूंदी।(2) सद्दामुद्दीन पुत्र सलामुद्दीन जाति मुसलमान उम्र 32 साल निवासी डायमण्ड होटल के पास सब्जी मण्डी के पीछे पुलिस थाना सिटी कोतवाली जिला बूंदी।

सी.एस.टी. सदस्य :- पुलिस निरीक्षक भवानी सिंह, सहायक उप निरीक्षक जुगल किशोर,हैड कांस्टेबल हरिनारायण, धर्मेंद्र कुमार, कानि. प्रदीप कुमार सोनी, मनोज कुमार, मैनेजर खान, चालक कांस्टेबल रामकृष्ण, रामनिवास, अजीत कुमार, पुलिस थाना सदर बूंदी से कानि. रणजीत घटाला, सवाई सिंह एवं कनीकी शाखा सीएसटी गिरधारी लाल, रामचंद्र, हरीश कुमार।

थाना शिवदासपुरा टीम :- उप निरीक्षक जगदीश प्रसाद, हैड कांस्टेबल सुरेश सिंह दयाराम, कानि. हकीम, अशोक कुमार, भरत लाल।

नागौर जिले में थाना पांचौड़ी पुलिस की कार्रवाई

नाबालिग बालिका के अपहरण तथा पोक्सो एक्ट में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आरोपी को वसई विहार, मुम्बई से किया दस्तयाब, नाबालिक बालिका व अपहरण में सहयोगी को पूर्व में किया जा चुका है दस्तयाब

चमकता राजस्थान

जयपुर/नागौर (खलील कुरैशी) 01 नवम्बर। तीन महीने पहले पांचौड़ी थाना क्षेत्र से एक नाबालिग को अगवा करने के मामले में पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सुखाराम उर्फ सुखदेव मेघवाल पुत्र हरचंद राम (23) निवासी भोमासर थाना पांचौड़ी को मुंबई के वसई विहार से दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया हैएसपी नारायण टोगस ने बताया कि थाना पांचौडी क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने 30 अगस्त को रिपोर्ट दी थी कि उसकी नाबालिग बेटी को बीती रात सुखा राम मेघवाल निवासी भोमासर बहला फुसलाकर भगा ले गया। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर एएसपी सुमित कुमार व सीओ रामप्रताप विश्नोई के सुपरविजन एवं एसएचओ हरजीराम के नेतृत्व मे टीम गठित की गई।गठित टीम द्वारा पूर्व में नाबालिग को दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द कर अपहरण में सहयोगी सुनिल उर्फ सोनू मेघवाल (24) निवासी मतोडा जिला नागौर को 11 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया। मुख्य आरोपी सुखाराम उर्फ सुखदेव घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। जिसकी तलाश के लिए थाना पांचौड़ी से हेड कांस्टेबल दिनेश धूंधवाल के नेतृत्व में कांस्टेबल भवानी सिंह, सहदेव राम व सहदेव राम लटियाल की टीम का गठन किया गया। आरोपी सुखाराम उर्फ सुखदेव के मुम्बई के वसई विहार इलाके में एक फैक्ट्री में मजदूरी करने की सूचना मिलने पर टीम वसई विहार पहुंची। पुलिस टीम ने मजदूरों का हुलिया बना काम मांगने की फिराक में

विभिन्न फैक्ट्रियों में आरोपी की तलाश की। तलाश के दौरान एक प्लास्टिक की फैक्ट्री में आरोपी सुखाराम मिला।आरोपी को फैक्ट्री से दस्तयाब कर टीम थाना लेकर आई। आरोपी काफी शातिर किस्म का है, जिसने घटना के बाद से ही अपना मोबाइल बंद कर दिया, बिना किसी सम्पर्क के मुम्बई में मजदूरी करने लग गया। जिससे पूछताछ व अन्वेषण जारी है।

भाजपा राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने प्रेसवार्ता कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जताया खुलकर आभार

मुख्यमंत्री ने अवैध धर्मान्तरण पर प्रहार कर लव जिहाद पर रोक लगाने की दिशा में उठाया ऐतिहासिक कदमः- घनश्याम तिवाड़ी

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) ।भाजपा राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार के कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा अवैध धर्मान्तरण पर प्रहार कर लव जिहाद पर रोक लगाने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कनवर्जन ऑफ रिलीजन बिल 2024 को कैबिनेट में पास कर इस आवश्यकता को पूरा कर दिया। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि विश्व में भारत एक मात्र ऐसा देश है जहां 30 प्रतिशत से ज्यादा अधिक हिन्दू जनसंख्या होने के बावजूद पंथनिरपेक्ष देश के रूप में ख्याति प्राप्त है। भारतीयसंविधान की मूल प्रस्तावना में धर्म निरपेक्षता और समाजवाद जैसे शब्द नहीं थे, लेकिन पुर्ववर्ती सरकारों ने 42वां संविधान संशोधन कर इन शब्दों को जोड़ा गया। भारत में जहां-जहां सनातन और हिन्दू धर्म के मानने वाले लोग बहुसंख्यक है, वहां सब धर्मों के लोगों को अपना-अपना आचरण और अपनी उपासना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन जहां हिन्दू व सनातनी अल्पसंख्यक है वहां समस्या आती है।इसके साथ ही भविष्य में अधिक धर्मान्तरण नहीं हो, इसके लिए कानून की सख्त आवश्यकता थी। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के राज में इस बिल को लाया गया था, लेकिन तत्कालीन राज्यपाल ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किया और राष्ट्रपति के साइन के लिए भेजा। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने इस बिल को देश लागू नहीं किया लेकिन अब भाजपा की डबल इंजन सरकार ने इस बिल को कैबिनेट में पास कर ऐतिहासिक फैसला किया है। इसके लिए मुख्यमंत्री सशक्त भजनलाल शर्मा का एक बार फिर से धन्यवाद और आभार।

11 बाल श्रमिकों को करवाया मुक्त, बाल कल्याण इकाई को किया सुपुर्द

जिला कलक्टर के निर्देश पर बालश्रम टास्कफोर्स की बड़ी कार्रवाई

ट्रांसपोर्ट नगर की 7 ऑटोमोबाइल रेपयर की दुकानों पर की कार्रवाई

चमकता राजस्थान।

जयपुर!(खलील कुरैशी) 01 दिसंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला बालश्रम टास्क फोर्स ने रविवार को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टास्क फोर्स ने ऑटोमोबाइल रिपेयर की 7 दुकानों पर छापा मार कर वहां काम कर रहे 11 बाल श्रमिकों

को मुक्त करवाया। मुक्त करवाए गए सभी बाल श्रमिकों की आयु 11 से 15 वर्ष के बीच है।वरिष्ठ श्रम निरीक्षक अंकिता महर्षि ने बताया कि मुक्त करवाये गए बाल श्रमिकों को परामर्श एवं अस्थाई संरक्षण के लिए गांधी नगर स्थित बाल कल्याण समिति की टीम को सुपुर्द किया गया है।रेस्क्यू कार्रवाई के दौरान बचपन बचाओ आंदोलन एवं प्रयास संस्था के प्रतिनिधि,श्रम निरीक्षक राहुल सपलानिया एवं ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी राजेश बाफना मय पुलिस जाब्ता मौजूद रहे।

संसदीय कार्य मंत्री के जन्मदिवस पर महाराज राजाराम शिक्षण संस्थान में रक्तदान शिविर एवं जनसभा हुई आयोजित

डबल इंजन की सरकार देश एवं प्रदेश के सतत एवं समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेश के समग्र विकास और जनहित से जुड़े अनेक फैसले लिए गए संसदीय कार्य मंत्री

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 1 दिसंबर। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के 70 वें जन्मदिवस के अवसर पर रविवार को जोधपुर में महाराज राजाराम शिक्षण संस्थान के प्रांगण में विशाल रक्तदान शिविर एवं जनसभा केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य एवं महंत रामप्रसाद एवं संत दयाराम महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित हुई।केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने संसदीय कार्य मंत्री को जन्मदिवस के शुभेच्छाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने कहा डबल इंजन की सरकार देश एवं प्रदेश के सतत एवं समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से प्रदेश में निवेश आयेगा जो राजस्थान के तीव्र आर्थिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए एक साथ 9 नीतियों को मिली मंजूरी

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मंत्रिमंडल की बैठक में जनहित से जुड़े अनेक फैसले लिए गए। माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए एक साथ 9 नीतियों को मंजूरी प्रदान की गई। उन्होंने कहा भरतपुर और बीकानेर में विकास प्राधिकरणों के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। जिससे इन शहरों का सुव्यवस्थित और नियोजित ढंग से विकास सुनिश्चित होगा। बजरी का सस्ता विकल्प है एम-सेण्ड पटेल ने कहा मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत नई एम-सेण्ड नीति से प्रदेश में एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना होगी, जिससे रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही बजरी के सस्ते विकल्प के रुप में एम-सेण्ड के उपयोग से अवैध बजरी खनन पर रोक लगेगी।उन्होंने कहा भारत-पाक सीमा के विशेष सामरिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए सीमा पर लेटरल सड़क के निर्माण के लिए राजकीय भूमि आवंटन करने के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी प्रदान की गई।

पांच वर्ष में मिलेंगे 10 लाख रोजगार के अवसर

पटेल ने कहा प्रदेश सरकार ने युवाओं के रोजगार के लिए रोडमैप तैयार किया है। इस वर्ष एक लाख और 5 वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। साथ ही प्रदेश में 10 लाख युवाओं को निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल

पटेल ने कहा रक्तदान महादान है और रक्तदान करने वाला व्यक्ति महादानी है। उन्होंने कहा रक्तदान शिविर के माध्यम से युवाओं ने समाज को सकारात्मक संदेश दिया है कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है।

अधिकाधिक रक्तदान करें

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा रक्तदान न केवल नया जीवन देता है बल्कि सामाजिक संबंधों में मधुरता आती है। उन्होंने कहा आपका रक्त किसी की शिराओं में जिंदगी बनकर दौड़ेगा और हम सभी को अधिकाधिक रक्तदान कर लाखों लोगों के जीवन को बचा सकते है।इस दौरान जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली,पचपदरा विधायक अरुण चौधरी,धोद विधायक गोरधन वर्मा,राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई,पूर्व राज्यसभा सांसद रामनारायण डूडी,पूर्व विधायक पुखराज गर्ग,पूर्व महापौर घनश्याम ओझा जगराम विश्नोई, राजाराम शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष जोगाराम पटेल, जगदीश देवासी, वीरेन्द्रप्रताप सिंह मानाराम, प्रोफेसर केआर पटेल सहित जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

चूरू जिले की थाना साईबर क्राईम की बडी कार्रवाई

- आबकारी विभाग में 8.50 करोड के साईबर फ्रॉड का खुलासा : 04.50 करोड रूपये करवाये रिकवर
- आबकारी विभाग के बाबू सहित 04 आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ जारी

चमकता राजस्थान। जयपुर/चूरू! (खलील कुरैशी) 01 दिसम्बर। जिले की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने करीब 2 महीने पहले आबकारी विभाग में 8.50 करोड रुपए के साइबर फ्रॉड का खुलासा कर विभाग के एक बाबू सहित चार जनों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही टीम ने फ्रॉड की गई रकम में से 4.50 करोड रुपए रिकवर करवाने में सफलता हासिल की हैएसपी जय यादव ने बताया कि 01 अक्टूबर आबकारी निरीक्षक वृत राजगढ़ विधाधर ने पुलिस थाना साहवा पर एक रिपोर्ट दी थी की कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा आबकारी विभाग के सॉफटवेयर में अनाधिकृत रूप से लॉगिन कर अनुज्ञाधारी के वॉलेट में धरोहर राशि एडजस्टमेंट कर करीब 8.50 करोड रूपये की राजस्व हानि पहुचाई है। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान एसएचओ साईबर थाना चूरू सुभाष चंद्र को सौंपी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल व सतपाल सिंह व सीओ सुनील झाझडिया के निकटतम सुपरविजन एवं एसएचओ सुभाष चंद्र के नेतृत्व में गठित की गई टीम द्वारा करीब 04 करोड आईपी का विष्लेषण कर आबकारी विभाग के वरिष्ठ सहायक अजय कुमार जाट पुत्र रतन सिंह (32) निवासी खेमाणा थाना राजगढ, विकास यादव पुत्र रामस्वरूप (33) निवासी रामपुरा बेरी थाना हमीरवास, राजकुमार जाट पुत्र माईधन (35) निवासी बिरमी खालसा थाना सिद्धमुख एवं नरेन्द्र सिह पुत्र सवाई सिह राजपुत (31) निवासी नौसरिया थाना रतनगढ जिला चूरू को बाद अनुसंधान गिरफतार किया गया है। गिरफतार आरोपियों से अनुसंधान जारी है । घटना के खुलासे एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में एसएचओ साईबर थाना सुभाष चंद्र, कांस्टेबल हरीश चंद्र, महेन्द्र कुमार, कैलाश चंद्र एवं महिला कांस्टेबल सुशीला व बिमला सहित एसपी ऑफिस की साईबर सैल शामिल थी।

7 दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल हुई समाप्त

जयपुर हेरिटेज और ग्रेटर नगर निगम में सफाई कर्मचारियों की भर्ती फिलहाल स्थगित

- 7 दिसंबर को लॉटरी से सफाई कर्मचारियों का चयन

चमकता राजस्थान।

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर हेरिटेज और ग्रेटर नगर निगम में सफाई कर्मचारियों की भर्ती फिलहाल स्थगित कर दी गई है। यह फैसला रविवार को मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ के घर पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की मौजूदगी में हुई बैठक में लिया गया। इस निर्णय के बाद 7 दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हो गई है।जयपुर में भर्ती स्थगित, प्रदेशभर में प्रक्रिया जारीः यूडीएच राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बताया कि जयपुर के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी। 7 दिसंबर को लॉट-री के जरिए सफाई कर्मचारियों का चयन किया जाएगा। जयपुर में भर्ती प्रक्रिया को फिलहाल रोक दिया गया है, और आगे की कार्रवाई को लेकर जल्द एक और बैठक होगी।हड़ताल खत्म, कर्मचारी काम पर लौटेंगेः संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ ने रविवार को घोषणा की कि जयपुर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म कर दी गई है। सोमवार से सफाई कर्मचारी नियमित रूप से अपने काम पर लौटेंगे।बैठक में क्या हुआ के पीछे?मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ ने बताया कि बैठक में वाल्मीकि समाज और सफाई कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ सकारात्मक चर्चा हुई। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि जयपुर में भर्ती प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित कर दिया जाएगा और आगे की योजना पर विचार के लिए बैठक की जाएगी।सफाई कर्मचारियों की लॉटरी 7 दिसंबर कोः प्रदेश के अन्य जिलों में सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी। 7 दिसंबर को सफाई कर्मचारियों की भर्ती के लिए लॉटरी निकाली जाएगी।

वाल्मीकि समाज का रुखः वाल्मीकि समाज ने जयपुर में भर्ती स्थगित करने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला समाज की मांगों पर सकारात्मक विचार का संकेत है।

मुख्यमंत्री ने लिया तैयारी का जायजा

प्रधानमंत्री मोदी 9 व 17 दिसंबर को रहेगें प्रदेश के दौरे पर

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस महीने जयपुर में दो दौरे होंगे। पहला दौरा 9 दिसंबर को होगा। इस दिन मोदी जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट का उद्घाटन करेंगे। वे उद्घाटन सत्र को संबोधित भी करेंगे। तीन दिवसीय समिट प्रदेश में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार आयोजित कर रही है।पीएम का दूसरा दौरा 17 दिसंबर को होगा। इसमें मोदी प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पार्वती कालीसिंध चंबल ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगे। करीब 7 महीने बाद पीएम मोदी का राजस्थान का कार्यक्रम बना है। इससे पहले लोकसभा चुनाव में मोदी ने 23 अप्रैल को टोंक में जनसभा को संबोधित किया था। वहीं,जयपुर के कोटपूतली में पीएम मोदी की 2 अप्रैल को सभा हुई थी।पीकेसी-ईआरसीपी का करेंगे शिलान्यास वहीं 17 दिसंबर को पोएम मोदी की सांगानेर के दादिया में जनसभा होगी। इस मौके पर मोदी पीकेसी ईआरसीपी का शिलान्यास करेंगे। इस प्रोजेक्ट से प्रदेश के 21 जिलों को पीने और सिंचाई का पानी मिलेगा। इस प्रोजेक्ट में अधिकतर जिले पूर्वी राजस्थान के हैं।विधानसभा चुनाव-2023 में कांग्रेस ने ईआरोपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का मुद्दा उठाया था। तत्कालीन गहलोत सरकार ने ईआरसीपी के लिए करीब १ हजार करोड़ के बजट का प्रावधान भी किय था। प्रदेश में सरकार बदलते ही सीएम भजनलाल शर्मा ने जल शक्ति मंत्रालय की मध्यस्थता में मध्यप्रदेश के साथ इस परियोजना को लेकर एमओयू किया। विधानसभा उपचुनाव से पहले ही सरकार पीएम मोदी के हाथों परियोजना का शिलान्यास कराना चाहती थी। आचार सहिता के चलते ऐसा नहीं हो पाया था।प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के दूसरे कार्यकाल में साल 2017 में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का खाका तैयार किया गया था। बताया जाता है कि यह परियोजना उन्हीं की देन है। इसके अंतर्गत पार्वती, चंबल और कालीसिंध नदी को जोड़ने की रूपरेखा तैयार की गई थी। इसके जरिए पूर्वी राजस्थान के जयपुर, झालावाड़ बारा, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, दतीसा, करौली, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, गंगापुर सिटी, ब्यावर, केकड़ी, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल तिजारा,मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सांगानेर के दादिया स्थित सभा स्थत पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। डीग और जयपुर ग्रामीण को जल संकट से छुटकारा मिलेगा। पेयजल के साथ किसानों को सिंचाई के लिए भी जरूरत का पानी मिल सकेगा।

हम स्नेह और प्रेम की बात करते हैं, जबकि भाजपा नफरत, क्रोध और हिंसा की : राहुल गांधी

हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता उस भावना का प्रतिनिधित्व करना है जिसने हमें संसद तक पहुंचाया : राहुल गांधी

वायनाड में जनसभा में राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी को दी यह सलाह, जानें ऐसा क्या कहा

वायनाड/एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शनिवार को अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ वायनाड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने एक जनसभा को भी संबोधित किया। राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा में हम एक राजनीतिक विचारधारा से लड़ रहे हैं। हम भावनाओं, संवेदनाओं, स्नेह और प्रेम की बात करते हैं, जबकि वे नफरत, क्रोध, विभाजन और हिंसा को बढ़ावा देते हैं। हम लोगों की बात सुनने और विनम्रता के महत्व पर जोर देते हैं, जबकि वे अहंकारी व्यवहार करते हैं। उच्च स्तर पर यह वैचारिक लड़ाई सामने आ रही है झ संविधान की रक्षा के लिए लड़ाई। संविधान में कहा गया है कि सभी लोगों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए।

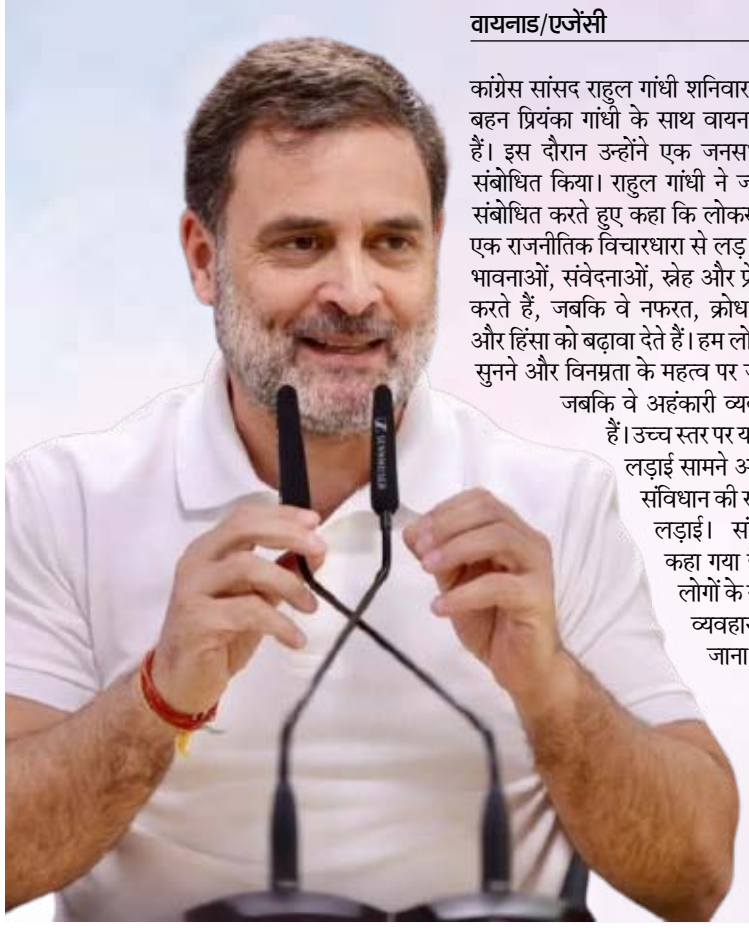

प्रियंका गांधी को दी सलाह

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड के लोगों में दूसरों में विश्वास भरने की ताकत है। 5 साल पहले आपने मुझे अपना नया सांसद चुना था और अब मेरी बहन यहां की नई सांसद है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रियंका के बड़े भाई के तौर पर मैं आपके सामने उन्हें कुछ सलाह देना चाहता हूं। आप जो भी फैसला लें, वायनाड के लोग हमेशा आपके मार्गदर्शनक होने चाहिए। बहुत से लोग ज्ञान का दावा करते हैं, लेकिन असली ज्ञान लोगों के पास होता है। गहरी समझ हासिल करने के लिए सीधे तौर पर शामिल लोगों के पास जाएँ और उनके अनुभव सुनें। मुझे यकीन है कि प्रियंका भी ऐसा ही करेंगी, उन लोगों की बात सुनेंगी और उनका सम्मान करेंगी जिन्होंने उन्हें लोकसभा में भेजा है।

हमें लोगों का समर्थन है'

राहुल गांधी ने कहा भारतीय संविधान में सभी लोगों, क्षेत्रों और राज्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करने का प्रावधान है। फिर भी पीएम मोदी ने घोषणा की है कि वायनाड में जो त्रासदी हुई है, उसके बावजूद वे वह सहायता नहीं देंगे जिसके वे हकदार हैं। इस माहौल में लाखों लोगों की भावनाओं ने हमें वह आत्मविश्वास दिया है जो हमारी रक्षा करता है। दिलचस्प बात यह है कि उनके पास मीडिया, पैसा, खुफिया एजेंसियां, सीबीआई, ईडी और आईटी समेत पूरी सरकार है और हमें लोगों का समर्थन भी है। हैरानी की बात यह है कि हर बार लोगों की भावना प्रबल होती है। मुझे पूरा भरोसा है कि हम बीजेपी की विचारधारा को हरा देंगे।

वायनाड के लोगों ने हम पर भरोसा किया है'

» कांग्रेस सांसद ने कहा हम सिर्फ संसद में बैठे व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि उससे भी अधिक हम वायनाड के लोगों के दिलों की भावनाओं को मूर्त रूप देते हैं। वायनाड के लोगों ने हम पर भरोसा किया है, हम पर विश्वास किया है और स्वीकार किया है कि हम भारत की संसद में उनकी भावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता उस भावना का प्रतिनिधित्व करना है जिसने हमें संसद तक पहुंचाया है। जब मैं वायनाड में किसी बच्चे को देखता हूं, तो मुझे याद आता है कि उनके माता-पिता ने मुझे लोकसभा में भेजा है, और उनकी देखभाल करना मेरी जिम्मेदारी है। अगर मैं उनके चेहरों पर मुस्कान ला सकता हूं, तो मुझे तुरंत ऐसा करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

श्रावस्ती में भीषण सड़क हादसा: पांच की मौत, 6 गंभीर रूप से घायल

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में एक भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिसमें तीन की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने आनन- फानन में सभी जिला अस्पताल पहुंचाया जहां पर डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। सीओ सतीश कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल हाईवे 730 के मोहनीपुर चौराहे के पास एक जाइलो कार और टेंपो के बीच भिड़ंत हुई है। जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल है जिसमें से तीन की हालत नाजुक बनी हुई है। घायलों को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। विधिक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतकों के परिजनों का घटना की जानकारी दे दी गई है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद श्रावस्ती में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री जी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री जी ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री जी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

संभल हिंसा को लेकर सपा का ऐलान

मृतकों के परिवार वालों को पांच-पांच लाख रुपये का देगी मुआवजा

लखनऊ। संभल हिंसा के मामले में समाजवादी पार्टी ने बड़ा ऐलान किया है। सपा ने संभल हिंसा में मारे गए मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके अलावा यूपी सरकार 25-25 लाख रुपये का मुआवजा यूपी सरकार देने की मांग की गई है। सपा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी। सपा ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, संभल में हुई हिंसा में भाजपा सरकार और प्रशासन की नाकामी से अपनी जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को समाजवादी पार्टी पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। यूपी सरकार मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दे।

रेलवे स्टेशन पर हुआ स्टॉपेज

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी के नेतृत्व में किया गया भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान

जयपुर।(खलील कुरैशी) एक दिसंबर। अजमेर से वाया जयपुर चंडीगढ़ के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं स्थानीय अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के प्रयासों और अनुशंसा पर किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर शुरू हुआ स्टॉपेज, केंद्रीय मंत्री चौधरी के नेतृत्व में ट्रेन स्टॉफ का गर्मजोशी से स्वागत किया।किशनगढ़ रेलवे स्टेशन शनिवार रात को एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना, जब अजमेर से वाया जयपुर चंडीगढ़ जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस (20977/20978) ने पहली बार यहां ठहराव लिया। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के अथक प्रयासों और अनुशंसा के फलस्वरूप यह ठहराव संभव हुआ। स्टेशन पर ट्रेन का भव्य स्वागत किया गया। इसमें केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि, रेलवे अधिकारी, उद्यमी, सामाजिक कार्यकर्ता और भाजपा संगठन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे।ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना स्वागत समारोह के बाद केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अजमेर के लिए रवाना किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह ठहराव क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी सौगात है। साथ ही उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अजमेर संसदीय क्षेत्र के अन्य स्टेशनों के विकास के लिए भी प्रयास जारी रहेंगे।स्थानीय विकास को मिलेगा प्रोत्साहन किशनगढ़ स्थानीय के नागरिकों ने वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव को क्षेत्र के विकास में एक मील का पत्थर बताया। इससे न केवल पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि मार्बल उद्योग को भी नई ऊंचाइयां छूने का अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया

पीएम ने कांस्टेबलरी के कार्यभार को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया

चमकता राजस्थान

जयपुर/भुवनेश्वर!(खलील कुरैशी)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 नवंबर और 1 दिसंबर, 2024 को भुवनेश्वर में पुलिस महानिदेशकों / महानिरीक्षकों के 59 वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया। समापन सत्र में, पीएम ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक वितरित किए। अपने समापन भाषण में, प्रधान मंत्री ने कहा कि सम्मेलन के दौरान सुरक्षा चुनौतियों के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयामों पर व्यापक चर्चा हुई और चर्चाओं से उभरी जवाबी रणनीतियों पर संतोष व्यक्त किया। अपने संबोधन के दौरान, पीएम ने डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध और एआई तकनीक के कारण उत्पन्न संभावित खतरों पर चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को बाधित करने के लिए डीप फेक की क्षमता पर। जवाबी उपाय के रूप में, उन्होंने पुलिस नेतृत्व से भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एस्पिरेशनल इंडिया की दोहरी एआई शक्ति का उपयोग करके चुनौती को अवसर में बदलने का आ''ान किया।उन्होंने स्मार्ट पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया और पुलिस से रणनीतिक, सावधानीपूर्वक, अनुकूलनीय, विश्वसनीय और पारदर्शी बनने का आह्वान किया। शहरी पुलिसिंग में की गई पहल की सराहना करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक पहल को एकत्रित करके देश के 100 शहरों में पूरी तरह से लागू किया जाए। उन्होंने कांस्टेबल के कार्यभार को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का आ''ान किया और सुझाव दिया कि पुलिस स्टेशन को संसाधन आवंटन के लिए केंद्र बिंदु बनाया जाना चाहिए।

पूछताछ के लिए युवक को थाने लाई पुलिस, अधमरी हालत में निकला बाहर, अस्पताल में मौत

दिल्ली। मायापुरी थाना इलाके में कथित रूप से एक युवक ने अपने माता-पिता व चाचा पर चाकू से हमला कर दिया था। पुलिस पूछताछ के लिए उसे मायापुरी थाने में लेकर आई। इस दौरान उसने दीवार कूदकर भागने की कोशिश की तो वह दीवार से गिर गया।

घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां दो दिन बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक की पहचान मायापुरी के अंशुमन तनेजा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, अंशमन मानसिक रूप से बीमार था और वह चोरी के मामलों में शामिल रहा है। उसके स्वजन भी आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। वह अपनी बीमारी की वजह से कई बार हरकत करता था। मंगलवार को उसने अपनी मां-पिता और चाचा पर चाकू से वार कर उन्हें घायल कर दिया। फिलहाल घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को मायापुरी थाना पुलिस को जानकारी मिली थी कि पति, पत्नी और पति के भाई को चाकू मार दिया गया है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पीड़ितों ने बताया कि उनके बेटे अंशुमान तनेजा ने उन पर चाकुओं से हमला किया है। पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनके बेटे अंशुमन तनेजा को पूछताछ के लिए थाने में लाया गया। इस दौरान अंशुमन ने पुलिस कर्मचारियों को धक्का दिया और दीवार कूदने की कोशिश करने लगा व गिर गया।इससे उसके सिर में चोट लगी।उन्हें तुरंत पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान बृहस्पतिवार को उनकी मौत हो गई।मामले में जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में ऐतिहासिक मछली, मांस बाजार बंद होंगे ; समाप्त होगी 1000 साल पुरानी परंपरा

लंदन, एजेंसी। लंदन के दो सबसे प्रसिद्ध बाजार - एक मछली बाजार, दूसरा मांस बाजार - आने वाले वर्षों में बंद होने वाले हैं, जिससे मध्ययुगीन दौर से यहां चली आ रही कारोबारी परंपराएं समाप्त हो जाएंगी। राजधानी शहर के ऐतिहासिक केन्द्र का शासी निकाय 'सिटी ऑफ लंदन कॉरपोरेशन' बुधवार को संसद में एक विधेयक पेश करने जा रहा है जिसके तहत बिलिंग्सगेट मछली बाजार और स्मिथफील्ड मांस बाजार के संचालन की उसकी जिम्मेदारियों को समाप्त किया जाएगा। ये दोनों ही बाजार 11वीं शताब्दी से किसी न किसी रूप में अस्तित्व में हैं। एक दिन पहले ही निगम ने निर्णय लिया था कि वह बाजारों को लंदन के पूर्व में डेगनहैम में नए विकास स्थल पर शिफ्ट नहीं करेगा। इसने हाल ही में महंगाई के दौर और निर्माण लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप बढ़ते खर्च के कारण नियोजित कदम को छोड़ दिया। वर्तमान में इसकी लागत लगभग एक अरब पाउंड (1.25 अरब डॉलर) है। इसके बजाय, बाजार के व्यापारियों के साथ एक नए समझौते के तहत, निगम वित्तीय मुआवजा और सलाह प्रदान करेगा। व्यापारियों के पास यह तय करने के लिए थोड़ा समय है कि उन्हें क्या करना है, क्योंकि परिचालन कम से कम 2028 तक जारी रहेगा।

ट्रंप कैबिनेट के मनोनीत सदस्यों और नियुक्त लोगों को धमकियां, अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में कैबिनेट स्तर के कई मनोनीत और शीर्ष प्रशासनिक पदों पर नियुक्त लोगों तथा उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां मिली हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन धमकियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि कल रात और आज सुबह मनोनीत तथा नियुक्त सदस्यों को धमकियां मिली हैं। कानून प्रवर्तन और अन्य अधिकारियों ने लक्षित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की 'लिमोजिन' से पुलिस की कार टकराई, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

वेलिंगटन , एजेंसी। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और वित्त मंत्री निकोला विलिस को ले जा रही एक सरकारी 'लिमोजिन' कार के पिछले हिस्से से पुलिस की एक कार टकरा गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना बुधवार दोपहर को न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन में हवाई अड्डे की मुख्य सड़क पर हुई, जहां संसद स्थित है। हालांकि दुर्घटना मामूली थी और इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने टक्कर की जांच शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड का गृह मंत्रालय आधिकारिक वाहनों का प्रबंधन करता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि इस दुर्घटना में 'लिमोजिन' कार का पिछला हिस्सा क्षतिगस्त हो गया है। लक्सन ने बृहस्पतिवार को ऑकलैंड में संवाददाताओं से कहा कि दुर्घटना ''थोड़ा चौंकाने वाली'' थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ''ठीक'' हैं और उन्हें नहीं पता कि कार को सेवा से हटा लिया जाएगा या नहीं।

अमेरिका में जब्त किए गए अब तक के सबसे ज्यादा नकली गिटार

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में सीमा शुल्क विभाग ने 3,000 से अधिक नकली गिब्सन इलेक्ट्रिक गिटार पकड़े हैं। यह रिकॉर्ड नकली म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की जब्ती है। इसकी जानकारी अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने दी। साल 1902 में कलामजू, मिशिगन में स्थापित प्रतिष्ठित अमेरिकी गिटार ब्रांड ने अपने सभी उपकरणों का उत्पादन विशेष रूप से अमेरिकी में किया है। एक नए प्रामाणिक गिब्सन गिटार की कीमत आमतौर पर 500 यूएस डॉलर से 2,000 डॉलर के बीच होती है। जबकि, कुछ मॉडल 10,000 डॉलर में भी बिकते हैं। लॉस एंजिल्स बीच सीपोर्ट के सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार, यह नकली गिटार ई-कॉमर्स बाजार के लिए थे, अगर असली होते तो उनकी अनुमानित कीमत 18 मिलियन डॉलर होती। ऐसे प्रोडक्ट अक्सर निम्न-गुणवत्ता या खराब सामग्रियों का उपयोग करके बनाए जाते हैं। यह हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। साथ ही इसका घटिया क्वालिटी का सामान आग लगने के खतरे को भी पैदा कर देते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह जब्ती उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन या संदिग्ध स्रोतों से धोखाधड़ी वाले उत्पादों को खरीदने के जोखिमों के लिए जागरुक करने वाली थी। पोर्ट के निदेशक अफ्रीका बेल ने कहा, वह लोग धोखेबाज हैं और यह सब अमेरिकी उपभोक्ता को धोखा देने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है। बेल ने आगे कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में, दक्षिणी कैलिफोर्निया बंदरगाह पर 2 बिलियन डॉलर से अधिक के नकली उत्पाद जब्त किए गए थे। पोर्ट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, लॉस एंजिल्स का पोर्ट संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे व्यस्त कंटेनर पोर्ट है।

अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर भड़का हिंदू-अमेरिकी समूह, बांग्लादेश के खिलाफ प्रतिबंध की मांग की

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल ही में हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। अब ढाका में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर अमेरिका में भी गुस्सा भड़क गया है। यहां कई हिंदू-अमेरिकी समूहों ने मांग की है कि दक्षिण एशियाई देश के लिए अमेरिकी सहायता इस शर्त पर निर्भर होनी चाहिए कि वहां की सरकार इन आबादियों की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करे।

पांच अगस्त को हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा था : बता दें कि बांग्लादेश में कई महीनों से तनाव का माहौल है। हालात ऐसे हो गए कि इस साल पांच अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद भी हिंदुओं भी इस हिंसा की चपेट में आने लगे। अक्तूबर के महीने में चटगांव में हजारों बांग्लादेशी हिंदुओं ने अपने अधिकार और सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया था। यहां 17 करोड़ की आबादी का केवल आठ प्रतिशत हिंदू हैं। पांच अगस्त से अबतक 50 जिलों में 200 से अधिक हमले हो चुके हैं।

हालात इस सप्ताह और बिगड़े : इस हफ्ते हालात तब और बिगड़ गए जब हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया। इससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बता दें, दास इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के सदस्य थे और उन्हें हाल ही में निष्कासित कर दिया गया था।

क्या बोले वीएचपीए: विश्व हिंदू परिषद अमेरिका (वीएचपीए) के अध्यक्ष अजय शाह ने कहा कि दास की गिरफ्तारी, चटगांव के काली मंदिर में तोड़फोड़ और पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों की खबरें परेशान करने वाली हैं। उन्होंने पूछा, क्या यह मानवाधिकार की विरासत है, जिसके लिए बाइडन प्रशासन याद किया जाना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी अपराधियों को देती बढ़ावा

विहिप के महासचिव अमिताभ मित्तल ने कहा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों के बारे में वैश्विक मीडिया की चुप्पी चौंकाने वाली है। इस्कॉन के एक पुजारी की हालिया गिरफ्तारी और हिंदू मंदिरों पर हिंसक हमले धार्मिक असहिष्णुता में खतरनाक वृद्धि को दर्शात हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाएं भेदभाव का एक बड़ा पैटर्न है। उन्होंने आगे कहा, अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी केवल अपराधियों को बढ़ावा देती है और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और स्वतंत्रता को खतरा पैदा करती है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे एक खुले पत्र में हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट (एचएफएएफ) ने बांग्लादेश में बीजिंग की महत्वाकांक्षाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अमेरिकी वित्तपोषण रोकने और अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने वाली पहलों को प्राथमिकता देने की सिफारिश की है।

नागरिकों की सुरक्षा करने में नाकाम सरकार का नहीं करना चाहिए समर्थक- संदूजा एचएफएएफ के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदूजा ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों ने व्यवस्थित हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। हम विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आपका प्रशासन बांग्लादेशी सरकार पर अमेरिकी सहायता को निर्भर करता है जो इन आबादी की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रही है। करदाताओं को कभी भी उन सरकारों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा करने में नाकाम रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ बांग्लादेशी अधिकारियों के जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे चरमपंथी समूहों से संबंध हैं और ये संबंध अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं। संदूजा ने अपने पत्र में कहा, हम सम्मानपूर्वक वीजा प्रतिबंधों और सख्त निगरानी की सिफारिश करते हैं ताकि इन विचारधाराओं को अमेरिकी धरती पर पैर जमाने से रोका जा सके।

कश्मीर छोड़ो, काम की बात करो; बेलारूस के राष्ट्रपति ने कर दी शहबाज शरीफ की फजीहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ उस समय चर्चा का विषय बन गई जब कश्मीर मुद्दे पर शरीफ को साफ जवाब मिला। तीन दिवसीय दौरे पर पाकिस्तान आए लुकाशेंको ने स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी राजनैतिक मुद्दे पर चर्चा करने नहीं आए हैं। जब शहबाज शरीफ ने कश्मीर का मुद्दा उठाया तो लुकाशेंको ने कहा, मैं यहां केवल व्यवसाय और द्विपक्षीय सहयोग पर बात करने आया हूं। इस परिस्थिति ने न सिर्फ शरीफ की स्थिति असहज कर दी बल्कि बेलारूस के राष्ट्रपति के स्पष्ट रुख ने पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर भी सवाल खड़े कर दिए। बेलारूस के राष्ट्रपति का यह बयान पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गया, खासकर तब जब शरीफ ने प्रोटोकॉल तोड़कर उनका स्वागत करने के लिए खुद एयरपोर्ट पर पहुंचकर अपनी गर्मजोशी दिखाई थी। पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने इसे लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर मंच पर मुद्दा उठाना पाकिस्तान की राजनीति और कूटनीति का हिस्सा बन गया है, लेकिन लुकाशेंको का जवाब यह दर्शाता है कि सभी देश इस मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन नहीं कर सकते। इससे पहले, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने भी विवादित बयान देकर पाकिस्तान को और मुश्किल में डाल दिया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या कश्मीर के लोग इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि कश्मीर विदेशी भूमि है। इस बयान ने पाकिस्तानी सियासत में हलचल मचा दी और विपक्षी दलों ने इसे राष्ट्रीय नीति के खिलाफ बताया। लुकाशेंको का यह दौरा पाक-बेलारूस संबंधों को मजबूती देने के लिए अहम माना जा रहा था, लेकिन कश्मीर पर उनकी स्पष्ट नीति ने शरीफ सरकार की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर कर दिया।

जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामले बढ़े

टोक्यो, एजेंसी। जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश भर के चिकित्सा संस्थानों में औसतन 2.84 मरीज मिले हैं। यह आंकड़ा पिछले सप्ताहों की तुलना में मामलों में वृद्धि दिखाता है। वर्तमान ट्रैकिंग प्रणाली शुरू होने के बाद से यह अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। माइकोप्लाज्मा निमोनिया एक बैक्टीरियल इंफेक्शन (जीवाणु संक्रमण) है। यह इंफेक्शन ज्यादातर बच्चों में देखने को मिलता है। यह सांस के साथ निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों से या करीबी संपर्क में आने से फैलता है। इसके लक्षणों में मरीजों को लगातार खांसी, बुखार, थकान और सिरदर्द जैसी परेशानी दिखाई देती है। इसके कई मामले बिना गंभीर जटिलताओं के ठीक हो जाते हैं। वहीं, कुछ मामले गंभीर निमोनिया में बदल सकते हैं जिसके लिए मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ सकती है।

फुकुई प्रान्त ने प्रति चिकित्सा संस्थान ने 8.83 मामलों के साथ उच्चतम क्षेत्रीय औसत की सूचना दी। उसके बाद आओमोरी (5.0), क्योटो (4.71) और होक्काइडो (4.59) का स्थान रहा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टोक्यो और ओसाका जैसे प्रमुख शहरों में भी क्रमशः 4.32 और 3.17 की उच्च दर दर्ज की गई।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की निर्मम हत्या, गर्भवती महिला को भी नहीं छोड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के निरस्त होने के बाद से लगातार हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं। ताजा हिंसा किशोरगंज जिले के भैराब शहर में हुई है, जहां एक हिंदू परिवार के चार लोग एक अपार्टमेंट में मृत पाए गए। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय जॉनी बिस्वास, उनकी गर्भवती पत्नी और उनके दो बच्चों के रूप में हुई है। पुलिस ने बुधवार को हत्या का मामला दर्ज किया।

पुलिस प्रशासन इस हत्याकांड को आत्महत्या की तरह पेश कर रहा है। स्थानीय पुलिस ने कहा है कि जॉनी ने अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या करने के बाद खुद को भी मौत के घाट उतार लिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं। इस खौफनाक घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में तेजी देखी जा रही है। अधिकारियों ने मामले की गहराई से जांच करने और समुदाय में बढ़ते डर को कम करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा है कि भारत विरोधी बयानबाजी और कट्टरपंथियों एवं आतंकवादी ताकतों को बढ़ावा देना परस्पर संबंधित रणनीतियां हैं, जिन्होंने बांग्लादेश को पूर्ण अराजकता की ओर धकेल दिया है। उन्होंने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लेदश की अंतरिम सरकार पर लोकतंत्र को भीड़तंत्र में तब्दील करने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद बिगड़े हालात के बाद अपना देश छोड़कर आए महमूद ने हाल ही में एक अज्ञात स्थान से टेलीफोन पर एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई को बताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को खतरनाक करार दिया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी सहित चरमपंथी समूह सक्रिय हो गए हैं।

महमूद ने जोर देकर कहा कि हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमलों का घटनाक्रम एक चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अल्पसंख्यक विरोधी भावना को दर्शाता है जो चरमपंथी बयानबाजी से मेल खाती है, जिससे धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। इस बीच, बांग्लादेश के चटगांव शहर में एक वकील की हत्या और एक प्रमुख हिंदू नेता की गिरफ्तारी को लेकर सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने के आरोप में कम से कम 30 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

हांगकांग में समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवास का मिला अधिकार, शीर्ष अदालत ने दिया ऐतिहासिक फैसला

विक्टोरिया, एजेंसी। हांगकांग के शीर्ष अदालत ने बुधवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवासों के अधिकार को बरकरार रखते हुए फैसला सुनाया। हांगकांग शीर्ष अदालत का ये फैसला समलैंगिक अधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर है। भलेही हांगकांग समलैंगिक विवाह को कानूनी तौर पर मान्यता नहीं देता लेकिन अदालत के इस फैसले ने विदेशों में शादी करने वाले दो जोड़ों के पुराने मामले का खत्म किया।

न्यायाधीशों ने सरकार की नीति को बताया भेदभावपूर्ण : इस मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एंड्रयू चेउंग ने कहा कि हांगकांग की आवास नीतियों में समलैंगिक विवाहित जोड़ों को बाहर रखना उचित नहीं है और कल्याण लाभों को बिना भेदभाव के वितरित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्टो रिबेरो ने भी सरकार की नीति को भेदभावपूर्ण बताते हुए उसे सही ठहराने में असफल पाया।

यहां ये हुई शुरू हुई हक की लड़ाई : अब कुछ समय पीछे चले तो एक मामला था निक इनफिंगर का, जिन्होंने कनाडा में शादी की थी और हांगकांग में सरकारी आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। जानकारी के अनुसार उन्होंने 2018 में हांगकांग की हाउसिंग अथॉरिटी के खिलाफ मुकदमा दायर किया और जीत हासिल की, लेकिन सरकार ने उस फैसले के खिलाफ अपील की। इसी तरह एक और मामला था एडगर एनजी का, जिन्होंने हांगकांग सरकार की नीति को जानते हुए कि उनके शादीशुदा पति को सरकारी आवास का हक नहीं है उन्होंने चुनौती दी। हलांकि 2020 में एनजी की मृत्यु हो गई और निचली अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया।

निक इनफिंगर ने जताई खुशी : न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्टो रिबेरो ने कहा कि सरकार उत्तराधिकार कानूनों में भेदभाव को सही ठहराने में नाकाम रही है और इसे गैरकानूनी और असंवैधानिक करार दिया। निक इनफिंगर ने हांगकांग की शीर्ष अदालत के फैसले पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज का निर्णय समलैंगिक जोड़ों के एक-दूसरे से प्यार करने और साथ रहने के अधिकार को मंजूरी देता है, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया भ्रष्टाचार मामले में बरी

यूएस वीजा अप्लाई करने अमेरिकन एंबेसी पहुंचीं, सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रहीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश हाई कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया। इसके बाद खालिदा जिया यूएस वीजा एप्लिकेशन प्रोसेस पूरा करने ढाका में अमेरिकन एंबेसी पहुंची। जिया लंबे वक्त से लीवर, हार्ट और आंखों की गंभीर परेशानी से जूझ रही हैं। 79 साल की जिया को अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में स्पेशल कोर्ट ने पांच साल सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें साल 2018 में ढाका सेंट्रल जेल भेज दिया गया। 30 अक्टूबर 2018 को हाई कोर्ट ने उनकी सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। बाद में उन्हें जिया चैरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की भी सजा सुनाई गई थी। अगले महीने ब्रिटेन से अमेरिका जा सकती हैं बीडीन्यूज24 की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने जिया की अपील के आधार पर इस फैसले को पलट दिया। मामले में दो अन्य आरोपियों को भी बरी कर दिया। जिया अगले महीने की शुरुआत में ब्रिटेन जा सकती हैं, जहां से वो अमेरिका या जर्मनी में हाई मेडिकल ट्रीटमेंट की मांग कर सकती हैं। 17 साल बाद जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज कोरोना की वजह से जिया को जेल से अस्थाई तौर पर रिहा किया गया था। साल 2020 को उनकी सजा को इस शर्त पर निलंबित कर दिया गया था कि वो अपने घर में ही रहेंगी और देश नहीं छोड़ेंगी। कुछ महीने पहले ही खालिदा जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज किया गया है। उनके बैंक खातों पर 17 साल से रोक लगी हुई थी। एनबीआर के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल ने अगस्त 2007 में खालिदा जिया के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया था। चिन्मय प्रभु की रिहाई को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी वहीं दूसरी तरफ, बांग्लादेश में इस्कॉन धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी को लेकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन जारी हैं। प्रदर्शनकारियों ने ढाका, चटगांव और दिनाजपुर सड़क पर जाम लगाया और नारेबाजी कर प्रभु की जल्द रिहाई की मांग की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय दास प्रभु पर देशद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का केस है।

इजराइल ने नेतन्याहू, गैलेंट के खिलाफ आईसीजे के वारंट की वैधता से इनकार किया

यरूशलम, एजेंसी। इजराइल ने पीएम नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार किया. इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक पोस्ट में कहा, इजराइल हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के प्राधिकार तथा प्रधानमंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री के विरुद्ध जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार करता है. आगे कहा गया. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जेरूसलम में प्रधानमंत्री कार्यालय में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम से मुलाकात की. सीनेटर ने उन्हें आईसीसी और इसके साथ सहयोग करने वाले देशों के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी. हाल ही में हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया. इसमें उन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया गया है. इन आरोपों में नागरिकों को निशाना बनाने और गाजा में भुखमरी की नीतियों को लागू करने के आरोप शामिल हैं. इजराइली प्रधानमंत्री द्वारा एक्स पर कई पोस्ट किए गए जिसमें यह भी उल्लेख किया गया कि कांग्रेस में प्रयासों के समानांतर इजरायल ने आईसीसी से गिरफ्तारी वारंट के कार्यान्वयन में देरी की मांग की. साथ ही न्यायालय में अपील करने का इरादा भी जताया. इजराइली प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट में यह भी कहा गया, इजरायल की अपील की सूचना से विस्तार से पता चलता है कि गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्णय किस हद तक निराधार था और इसका कोई तथ्यात्मक या कानूनी आधार नहीं था. इसमें कहा गया है कि यदि आईसीसी अपील को खारिज कर दे, तो इससे अमेरिका और दुनिया भर में इजराइल के मित्रों को यह पता चल जाएगा कि आईसीसी इजरायल के प्रति कितना पक्षपाती है. इससे पहले व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव करिन जीन-पियरे ने एक प्रेस ब्रीफिंग में आईसीसी के निर्णय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से अस्वीकार करते हैं. उन्होंने वारंट प्राप्त करने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की तथा प्रक्रियागत त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाया, जिसके कारण यह परिणाम सामने आया. जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की थी, हम मूलतः इस बात को अस्वीकार करते हैं कि आईसीसी को इस स्थिति पर अधिकार है और इसलिए यह ऐसी बात है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं तथा आगे भी रहेंगे. यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईसीसी द्वारा इजरायल के नेताओं पर लगाए गए आरोपों के बीच अमेरिका इजरायल के प्रति अपना समर्थन जारी रखे हुए है।

आया मौसम गाजर का

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- **भूमि एवं तैयारी**- अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।
- **बीज एवं बुवाई / समय**- मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।
- **बीज दर** - बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।
- **किस्में**- पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस
- **बीजोपचार**- गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।
- **बुवाई विधि**- गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।
- **खाद एवं उर्वरक**- सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।
- **सिंचाई**- बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- **निंदाई-गुड़ाई**- गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- **खुदाई**- जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- **पैदावार**- एशियाइ किस्मों की पैदावार यूरोपियन किस्मों की तुलना में अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु** - इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त** - इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया**- ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।
- **बुआई**- बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- **इसके** अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो

इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु** - इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त** - इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया**- ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक- दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।
- **खाद**- ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।
- **सिंचाई** - ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।
- **कटाई**- जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

पालक

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

उन्नत किस्में

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्योति, जोबनेर ग्रीन।

खाद एवं उर्वरक- बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खड़ी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या अधिक कटाई होने पर प्रत्येक दो कटाइयों के बाद दें।

बुवाई एवं बीज की मात्रा- एक हेक्टेयर खेत की बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकवां विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौध की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बुवाई के कुछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई- बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हों। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निराई-गुड़ाई करना जरुरी होता है।

कटाई एवं उपज- पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

जलवायु- यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियां अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्ठल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते हैं।

भूमि एवं खेत की तैयारी- पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है। इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और हृदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में- इसकी दो प्रचलित किस्में हैं- छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ा किस्म के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे नुकीले तथा लम्बे होते हैं। बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं। छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है। बड़ा ककोड़ा किस्म में पैदावार अधिक मिलती है।

जलवायु- इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है। वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी होती है।

भूमि एवं खेत की तैयारी- साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो। वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है। सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर लें।

लगाने की विधि- बीजों से लगाने पर फल भी 1-2 वर्ष बाद आते हैं। अत: ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2-3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि- प्रथम विधि- दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं। जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग-अलग करने का समय फरवरी-मार्च व जून-जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने चाहिए।

द्वितीय विधि- इस विधि में मादा पौधों से 2-3 माह पुरानी बेल से 30-40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दें। इन कलमों में 60-80 दिनों में जड़ें फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें। इसके बाद उन्हें मिट्टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

खाद-उर्वरक एवं रोपाई- प्रत्येक क्यारी में 30-40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें। बाद में मार्च-अप्रैल में 20-30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें। 3×2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियों, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना लें। इनमें पौधों का कंदों को लगाएं। 4-5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है। फल बनते समय पुन : 20-30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए। ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है। अत : इनमें प्रति थांवला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3-4 किलो गोबर खाद तथा 20-30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दें।

सिंचाई- ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6-10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।

संक्षिप्त समाचार

बंशीवाल सेवा- धर्म फाउंडेशन द्वारा नुमाइश मैदान में निशुल्क जल प्याऊ लगाई

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। बंशीवाल सेवा- धर्म फाउंडेशन द्वारा नुमाइश मैदान में हुए संवैधानिक महोत्सव कार्यक्रम में निशुल्क जल प्याऊ लगाई गई ।संस्था के संचालक पुष्पेन्द्रसिंह बंशीवाल द्वारा बताया गया कि संस्था द्वा-रा वस्त्र बांटना,अध्ययन सामग्री वितरण,लोगों की आर्थिक मदद, मेडिकल कैंप लगाना आदि सामाजिक कार्य समय- समय पर किए जाते हैं साथ ही संस्था द्वारा 2 फरवरी 2025 (वसंत पंचमी) को सामूहिक विवाह सम्मेलन कराया जाएगा इस बारे में जानकारी दी गई इस मौके पर हरिओम पोहिया,रजत, विशाल कबीर, राहुल सुहास,दीपचंद,अमित उंदेरिया, प्रमोद बंशीवाल, विष्णु शर्मा,उदित गोला,बलबीर सैनी, राजकुमार आदि द्वारा सहयोग किया गया।

पाउडर के कट्टों से भरा कैंटर ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा

चमकता राजस्थान। भरतपुर(राजवीर सिंह) जिले में नदबई-डहरा सड़क मार्ग से गांव नाम को जाने वाली सड़क जर्जर और संकरी होने के कारण भरा लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रविवार को पाउडर के कट्टों से भरा एक कैंटर ट्रक सड़क पर बने गड्ढों में अनियंत्रित हो गया। ट्रक सड़क किनारे बने गड्ढे में फंस गया और पलटते-पलटते बचा। ड्राइवर ने अपनी सूझबूझ से हादसे को टालने में सफलता पाई। ट्रक चालक हरवीर सिंह ने बताया कि वह गांव नाम से माल लेकर अलवर की ओर जा रहा था। रास्ते में सामने से आ रहे एक वाहन को साइड देने के चक्कर में उसका ट्रक सड़क किनारे बने गड्ढों में फंस गया। ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रक को नियंत्रित किया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। गांव के लोगों का कहना है कि इस मार्ग की स्थिति लंबे समय से खराब है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं, जिससे वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी होती है। विशेषकर बारिश के दौरान स्थिति और भी खराब हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। सड़क की चौड़ाई भी बहुत कम है, जिससे वाहन चालकों को बमुश्किल आवागमन करना पड़ता है। ग्रामीणों ने सड़क के सुधार की मांग की है, ताकि उन्हें और वाहन चालकों को राहत मिल सके।

शरीर की प्रकृति परीक्षण का कार्य हुआ प्रारंभ (देश का प्रकृति परीक्षण)

चमकता राजस्थान। जयपुर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वा-रा अब रोगी की चिकित्सा एक ही क्लिक पर उपलब्ध हो सकेगी, जयपुर के राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ कामिनी कौशल ने बताया की महाविद्यालय और चिकित्सालय में भारतीय चिकित्सा परिषद नई दिल्ली के दिशा निर्देशों के तहत जयपुर के सभी आम नागरिकों का निःशुल्क प्रकृति परीक्षण कर प्रमाण पत्र दिया जा रहा है, जिससे प्रत्येक को अपने स्वास्थ्य की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी, शरीर में होने वाली प्रत्येक बीमारी वात, पित्त और कफ के असंतुलित होने से होती है इस ऐप के माध्यम से उनकी संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर रोगी की चिकित्सा सफलतापूर्वक की जा सकेगी, इसमें कुल 22 प्रश्नों का जवाब समान नागरिक से पूछा जाएगा और इसके उपरांत उसका संपूर्ण डाटा तैयार किया जा सकेगा।उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को प्रकृति परीक्षण करने का आ''ान किया है, इस हेतु महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ चंद्रशेखर सिंह वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पंचकर्म विभाग, डॉ मीना मीनू बनवारी लाल नोडल अधिकारी और डॉ राहुल पाराशर ट्रेनर व कोऑर्डिनेटर से अधिक जानकारी प्राप्त कर अपना प्रकृति परीक्षण करवाया जा सकता है।

एंपलॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान का स्थापना दिवस

चमकता राजस्थान/जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने एंपलॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के 60वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में सम्मिलित होकर संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया।

आरएसआरडीसी की 127 वीं बोर्ड बैठक

आरएसआरडीसी अन्य राज्यों के कामों में भी भाग ले : उप मुख्यमंत्री,दिया कुमारी

कोटपुतली- कुचामन सड़क के लिए 169 करोड़ रूपये की स्वीकृति

चमकता राजस्थान

जयपुर,1 दिसंबर। राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की 127 वीं बोर्ड बैठक का आयोजन रविवार को आरएसआरडीसी मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2023- 24 की बैलेंस शीट एवं वित्तीय लेखा पारित किया गया। वर्ष 2023 -24 में आरएसआरडीसी का कुल टर्नओवर 3448.46 करोड रुपए रहा तथा आरएसआरडीसी 122.19 करोड़ का लाभ हुआ।

ग्रीन कंस्ट्रक्शन से सड़क और भवन निर्माण करें

बोर्ड बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कोटपूतली कुचामन रोड के चौड़ाइकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिए 169 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने इस काम को 18 माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये की सड़क निर्माण हेतु एफडीआर (फुल डेप्थ रिक्रिएशन) तकनीक का इस्तेमाल करें। गौरतलब है की इस तकनीक में पहले पुरानी सड़क को उखाड़ा जाता है और उसी सामग्री का इस्तेमाल करके नई सड़क बनाई जाती है। उप मुख्यमंत्री ने सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में प्लास्टि-क वेस्ट के इस्तेमाल करने तथा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए भविष्य में एनवायरमेंट फ्रेंडली तकनीक से ग्रीन कंस्ट्रक्शन द्वारा सड़क एवं भवन निर्माण के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आरएसआरडीसी को प्रोक्योरमेंट सेल डेवलप करनी चाहिए और अन्य राज्यों एवं अन्य विभागों के टेंडर्स में भाग लेना चाहिए ताकि आरएसआरडीसी सरकार को बड़ा राजस्व प्रदान करने वाली एजेंसी बन सके।

इस दौरान प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव वित्त (व्यय) नवीन जैन,आरएसआरडीसी एमडी सुनील जयसिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

4 साल के प्रयत्न के बाद भी नहीं मिला समस्या का समाधान

चमकता राजस्थान

- **विकास अधिकारी के खिलाफ बैठेंगे धरने पर**

रघुनंदन पारीक /श्रीनगर अजमेर/नसीराबाद। बनेवडा गांव मैं पिछ यक्षले 4 साल से व्याप्त समस्याओं को लेकर यहां की बनेवडा संघर्ष समिति ने पंचायत प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संघर्ष समिति के सदस्य जितेंद्र सिंह राठौड़ ने जिला कलेक्टर अजमेर तथा नसीराबाद उपखंड को सौपे ज्ञापन में पंचायत प्रशासन पर गांव के विकास कार्यों को ठप्प करने का आरोप लगाया है। आला अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद आज तक संघर्ष समिति की वाजिब मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पंचायत प्रशासन व आलाधिकारियों की नाकामियों को देखते हुए बनेवड़ा संघर्ष समिति की ओर से दिनांक 5 दिसंबर को मांगों पर ध्यान नहीं देने पर बांघसुरी पंचायत मुख्यालय पर ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ धरने पर बैठने की घोषणा की है । वही संघर्ष समिति के सदस्य जितेंद्र सिंह राठौड़ का कहना है कि 2020 में पंचायत गठन के साथ ही संघर्ष समिति के सदस्य लगातार ग्राम में हो रही समस्याओं के समाधान व विकास कार्यों को लेकर हर बार मांग कर रहे हैं । संघर्ष समिति की ओर से पंचायत प्रशासन को बनेवडा पटवार की घर मरम्मत, आंगनवाड़ी मरम्मत, चबूतरा रोड पुलिया मरमत,शमशान ब्ला-क रोड मरमत ,रावत मोहल्ले में नाली निर्माण ,राजपूत शमशान की चार दिवारी, आंगनवाड़ी से तब!रा रेला तक सड़क दुरुस्ती की मांगों पर पंचायत ध्यान नहीं दे रही है। 2021 से मकान के पटटो के लिए ग्रामीण चक्कर लगा रहे है। संघर्ष समिति सदस्य लगातार इन समस्याओं को 4 वर्ष से प्रशासन को अवगत कराया है । लेकिन आज तक सुनवाई नही हुई। 181 पर भी ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ शिकायत चल की । लेकिन अभी तक उसका कोई निस्तारण नहीं किया गया। वही ग्राम विकास अधिकारी की ओर से उच्च अधिकारी को संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है।सूचना के अधिकार पर कानून के पालन नही हो रहा है । ग्राम विकास अधिकारी ने सूचना के अधिकार के कानून को पंगु बना देने का आरोप लगाया है । वही समिति सदस्यो का कहना है कि संघर्ष समिति की ओर से उठाई गई मांगों का समाधान नहीं किया जाता है तो ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ जयपुर मुख्यमंत्री के सामने मामला रखा जाएगा।

» पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात कर उन्हें वायनाड लोकसभा उपचुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी।

नदबई व उच्चैन में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

विधायक ने प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का किया शुभारम्भ

- **पूर्व विदेश मंत्री की स्मृति में क्रि केट प्रतियोगिता, प्रतियोगिता में नदबई की 32 व उच्चैन में 32 टीम ने लिया हिस्सा**

चमकता राजस्थान

नदबई,(राजवीर सिंह)। कस्बे में हलैना रोड़ स्थित स्टेडियम में रविवार को विधायक जगत सिंह ने पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह की स्मृति में नटवर सिंह प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का विधिवत शुभारम्भ किया। विधायक ने प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत व एनपीएल स्तर अलग-अलग प्रतियोगिता आयोजित होने के बारे में बताते हुए आठ दिसम्बर तक ग्राम पंचायतस्तर की प्रतियोगिता होने एवं नदबई व उच्चैन में अंतिम चार-चार विजेता टीम के बीच नदबई स्टेडियम में 15 दिसम्बर से नटवर प्रीमियर लीग प्रतियोगिता होने की जानकारी देते हुए 22 दिसम्बर को नदबई में फाइनल मैच होने के बारे में बताया। बाद में विधायक ने नदबई व उच्चैन में खिलाडियों से मुलाकात कर किट व टीशर्ट वितरित करते हुए खेल के प्रति ईमानदार व नियमों की पालना करने का संकल्प दिलाया। गौरतलब है कि, नदबई व उच्चैन में अलग-अलग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा। जिसमें नदबई से 32 व उच्चैन से 32 टीम शामिल हो रही। समारोह में नगर पालिकाध्यक्ष हरवती सिनसिनवार, उपाध्यक्ष अशोक पुष्पा उपाध्याय, उपप्रधान भूपेन्द्र सिंह फौजदार, सरपंच संघ अध्यक्ष सुजान सिंह, हिम्मत सिंह, हनुत सिंह, निजी सचिव सत्येन्द्र सिंह गुड्डू सहित पंचायतीराज जनप्रतिनिधी व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयपुर दोनों वर्गों के फाइनल में

बालक वर्ग में आएसएससी अकादमी-जैसलमेर से व बालिका वर्ग में दुलमाना हैंडबॉल अकादमी से मुक़ाबला

राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता का समापन आज

चमकता राजस्थान

जयपुर, 1 दिसंबर। जयपुर के लड़के व लड़कियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वाधान में चित्तौड़गढ़ ज़िला हैंडबॉल संघ द्वारा आयोजित की जा रही चार दिवसीय 41वी राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता-2024-25 के दोनों वर्गों के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सोमवार को खेले जाने वाले खिताबी मुक़ाबलों में लड़क-ों में जहां जयपुर का मुक़ाबला आएसएससी अकादमी-जैसलमेर से होगा, वही लड़कियों में जयपुर मुक़ाबला दुलमाना हैंडबॉल अकादमी से होगा। इससे पहले बालक वर्ग में तीसरे स्थान के लिये श्रीगंगानगर का मुक़ाबला चित्तौड़गढ़ से होगा। बालिका वर्ग में यह मुक़ाबला सीकर व श्रीगंगानगर के बीच होगा।

रविवार को खेले गये सेमीफाइनल मुक़ाबलों में बालक वर्ग में जयपुर ने श्रीगंगानगर को 23-21 (14-13) से तथा आएसएससी अकादमी-जैसलमेर ने चित्तौड़गढ़ को 22-19 (16-14) से हराया। बालिका वर्ग में दुलमाना हैंडबॉल अकादमी ने श्रीगंगानगर को 10-09 (04-05) से तथा जयपुर ने सीकर को 12-04 (07-04) से हराया।

इससे पहले खेले गये क्वार्टर फाइनल मैचेस के परिणाम:

बालक वर्ग:- जयपुर ने महाराणा प्रताप हैंडबॉल अकादमी को 21-05 से, चित्तौड़गढ़ ने बूंदी को 21-15 से, श्रीगंगानगर ने भीलवाड़ा को 31-18 से तथा आएसएससी अकादमी-जैसलमेर ने सीकर को 15-10 से हराया।

बालिका वर्ग:- दुलमाना हैंडबॉल अकादमी ने जयपुर हैंडबॉल अकादमी को 09-08 से, जयपुर ने बाड़मेर को 32-12 से, श्रीगंगानगर ने भीलवाड़ा को 15-14 से तथा सीकर ने चित्तौड़गढ़ को 20-09 से हराया।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के बालक वर्ग के सर्वश्रेष्ठ बालक खिलाड़ी को स्व. लोकेंद्र सिंह गौड़ तथा बालिका वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को स्व. तनेराम मेघवाल की स्मृति में नक़द पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे।

आयोजन सचिव जवान सिंह चुण्डावत ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग में 37 तथा बालिका वर्ग में में 24 टीमों ने भाग लिया। बालक वर्ग की टीमों को 8 पूल में ओर बालिका वर्ग की टीमों को 4 पूल में बाटा गया। प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट आधार पर खेली जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929